सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 74 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 27 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

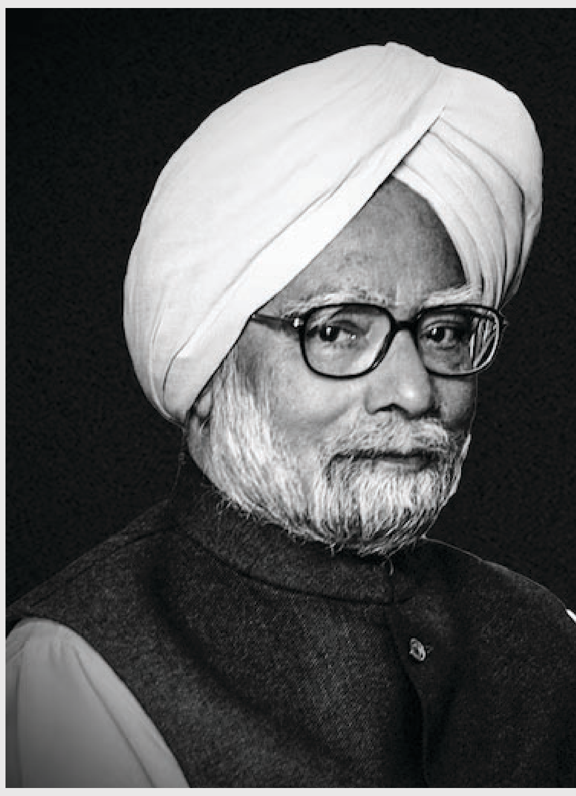

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन

देश में 7 दिन का राजकीय शोक

पूर्व पीएम के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सीएम साय सहित दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर/नईदिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। उनके निधन पर देशभर में शोक व्याप्त है। 92 साल की उम्र में उनका दिल्ली एम्स में निधन हो गया। उन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों की वजह से गुरुवार रात 8:06 बजे एम्स में भर्ती कराया गया था। रात 9:51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद 26 दिसंबर, 2024 से 1 जनवरी, 2025 तक पूरे देश में सात दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान, उन सभी स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे पारंपरिक रूप से फहराया जाता है और सभी आधिकारिक कार्यक्रम स्थगित रहेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर कल 28 दिसंबर को कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। उनका अंतिम संस्कार राजघाट के पास किया जाएगा।

ऐसा रहा डॉ. मनमोहन सिंह का सफर

डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितम्बर 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रान्त के एक गांव में हुआ था। उन्होंने 1948 में पंजाब विश्वविद्यालय से मैट्रिक की शिक्षा पूरी की। उसके बाद उन्होंने अपनी आगे की शिक्षा ब्रिटेन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय से प्राप्त की। 1957 में उन्होंने अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी से ऑनर्स की डिग्री हासिल की। इसके बाद 1962 में उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के नूफिल्ड कॉलेज से अर्थशास्त्र में डी. फिल किया। उन्होंने अपनी पुस्तक 'भारत में निर्यात और आत्मनिर्भरता और विकास की संभावनाएं' में भारत में निर्यात आधारित व्यापार नीति की आलोचना की थी। 1971 में डॉ. मनमोहन सिंह वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। 1972 में उनकी नियुक्ति वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में हुई। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 16-09-1982 से 14-01-1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गर्वनर थे। डॉ. मनमोहन सिंह ने 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था। 1991 से भारतीय संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) के सदस्य रहे जहां वे 1998 से 2004 तक विपक्ष के नेता थे। वहीं डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004 के आम चुनाव के बाद 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री के रूप के शपथ ली और 22 मई 2009 को दूसरी बार प्रधानमंत्री बने।

डॉ मनमोहन सिंह जी का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोतः पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए अपने शोक संदेश में कहा कि 'पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में सेवाएं दीं। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी। जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही। मुझे याद है, जब राज्यसभा में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ था तो मैंने कहा था कि उनका बतौर सांसद समर्पण सीखने लायक है। उच्च पदों पर रहने के बावजूद अपनी जड़ों को कभी नहीं भूले। वे सभी के लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मनमोहन सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुले मन से चर्चा होती थी। दिल्ली आने के बाद भी उनसे समय-समय पर चर्चा होती थी, वो चर्चाएं और मुलाकातें मुझे हमेशा याद रहेंगी। आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदानाएं अर्पित करता हूं।'

सीएम साय ने कहा- अर्थशास्त्र के दिग्गजों में से एक थे डॉ. मनमोहन सिंह

इससे पहले गुरुवार रात को पूर्व पीएम के निधन की खबर मिलने के बाद सीएम साय ने एक्स पर भावुक पोस्ट कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह जी अर्थशास्त्र के उन दिग्गजों में से एक थे, जो देश के वित्त मंत्री, रिजर्व बैंक ऑफइंडिया के गवर्नर और योजना आयोग के प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों और शुभचिंतकों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

छत्तीसगढ़ में भी 7 दिनों का राजकीय शोक

पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर छत्तीसगढ़ में 7 दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक राजकीय शोक रहेगा। इस दौरान सरकारी कार्यालयों में झंडा आधा झुका रहेगा साथ ही सरकारी या आधिकारिक स्तर पर मनोरंजन के कार्यक्रम भी नहीं होंगे। यही नहीं सीएम साय ने अपने सभी कार्यक्रम भी निरस्त कर दिए हैं।

पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

- कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।
- पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को शोक व्यक्त किया। जहां पूर्व प्रधानमंत्री को एक बौद्धिक राजनेता बताते हुए मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि सिंह ने विनम्रता, बुद्धिमत्ता और ईमानदारी को अपना जीवन मंत्र बनाया था।
- केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने मनमोहन सिंह के धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के प्रति समर्पण की सराहना की।
- ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी।
- ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक ने भी सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि विद्वान और विनम्र नेता को आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में याद किया जाएगा।

सनी लियोनी के नाम पर महतारी वंदन योजना में फर्जी भुगतान, साइबर कैफे का संचालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। महतारी वंदन योजना में फर्जी तरीके से सनी लियोनी के नाम से भुगतान के मामले में पुलिस ने एक और गिरफ्तारी की है। पुलिस ने सनी लियोनी के नाम से इंट्री करने वाला साइबर कैफे के संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के बयान के आधार पर उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

बताया जा रहा है कि बस्तर जिले के तालुर गांव में कुछ दिन पहले फिल्म एक्ट्रेस सनी लियोनी के नाम से महतारी वंदन योजना के लिए पोर्टल में इंट्री करने वाले साइबर कैफे संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बस्तर थाना प्रभारी हर्ष धुंरधर ने बताया कि बस्तर नगर पंचायत में साइबर कैफे चलाने वाले नरेंद्र सेठिया को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि जब मामले में बारिकी से जांच की गई तो पता चला कि योजना के तहत फॉर्म भरने

लेकर योजना में रजिस्ट्रेशन के लिए बस्तर स्थिति साइबर कैफे के कंप्यूटर का उपयोग किया गया है।

सनी लियोनी के नाम पर बनाए फर्जी दस्तावेज

इसके बाद जब पुलिस साइबर कैफे पर पहुंची तो यहां पुलिस को संचालक नरेंद्र मिला। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कि गई तो नरेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसने ही सनी लियोनी के नाम के दस्तावेज बनाये थे और उसने ही सारे डाक्यूमेंट योजना के लिए पोर्टल में अपलोड किये थे। उसने पुलिस को बताया कि दस्तावेज बनाने से लेकर पोर्टल में रजिस्ट्रेशन तक का काम उसने ही किया था। इस काम में पहले गिरफ्तार किये गये वीरेंद्र कुमार जोशी का भागीदारी नहीं था। लेकिन वीरेंद्र के बैंक खाते का उपयोग किया गया और पैसे वीरेंद्र के बैंक खाते में आ रहे थे। ऐसे में वीरेंद्र को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया हैं। दोनों युवकों को पुलिस ने रिमांड पर जेल भेज दिया है। गौरतलब है कि फिल्म एक्ट्रेस सनी लियोनी के नाम से महतारी वंदन योजना के तहत पैसे लेने के मामले के फूटने के बाद पूरे प्रदेश में बवाल मच हुआ है। इस मामले में एक आगनबाड़ी कार्यकर्ता को बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं परियोजना अधिकारी और महिला सुपरवाइजर को निलबिंत कर दिया गया है। इसके अलावा सभी संदिग्ध लाभार्थियों के खाते की जांच करवाई जा रही हैं।

निकायों के 36 कर्मचारियों को मिली सीएमओ पद पर पदोन्नती

कई कर्मचारियों को मिली नई पदस्थापना

रायपुर। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न निकायों में कार्यरत कर्मचारियों की नई पदस्थापना की है। लंबे समय से प्रमोशन की बाट जोह रहे 36 कर्मचारियों को मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में पदोन्नती देते हुए उन्हें नई पदस्थापना दी गई है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश में सीएमओ प्रमोट होने वाले 36 कर्मचारियों के अलावा 147 कर्मचारी और हैं जिन्हें नई पदस्थापना मिली है। इनमें से कुछ को पदोन्नती के साथ नई पोस्टिंग मिली तो कुछ को पुराने पद ही नई जगह पदोन्नत किया गया गया। इस आदेश के साथ ही नगरीय प्रशासन विभाग में सभी सीएमओ के रिक्त पद भरे जा चुके हैं।

सड़क हादसे में महिला की मौत, नेहरू नगर चौक के पास ट्रेलर की चपेट में आए पति-पत्नी

- बाइक सवार दंपति ट्रेलर की चपेट में आए, हादसे के बाद ट्रेलर चाल फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेहरू नगर गुरुद्वारा के सामने गुरुवार की रात को बड़ा हादसा हो गया। आम्रपाली वैशाली नगर निवासी पति पत्नी ट्रेलर की चपेट में आ गए। हादसे में महिला की मौके पर मौत हो गई। वहीं उसका पति गंभीर रूप से घायल है। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार आम्रपाली निवासी राकेश अग्रवाल अपनी पत्नी कमलेश अग्रवाल के साथ निकला था। पति पत्नी बाइक पर थे। बाइक सवार राकेश अग्रवाल और उसकी पत्नी कमलेश को तेज रफ्तार ट्रेलर ने अपनी चपेट में लिया। बताया जा रहा है कि ट्रेलर का पहिया महिला के ऊपर से गुजर गया। हादसे में कमलेश का सिर धड़ से अलग हो गया। वहीं राकेश को भी गंभीर चोट आई।

घटना की खबर लगते ही 112 की टीम घटना स्तर पर पहुंची। घायल राकेश अग्रवाल को निजी अस्पताल पहुंचाया। वहीं कमलेश के शव को सुपेला अस्पताल के मॉर्चुरी में रखवाया गया है। हादसे के बाद सुपेला पुलिस की टीम जांच में जुट गई है। वहां आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को भी खंगाल रही है, ताकि हादसे का कारण स्पष्ट हो सके। बताया जा रहा है कि बाइक सवार को चपेट में लेने के बाद ट्रेलर चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया है।

प्रशासन खुद डायलिसिस पर

श्रीकंचनपथ

डायलिसिस की जरूरत तब पड़ती है जब किडनी काम करना बंद कर दे। यह अल्पकालिक भी हो सकता है, दीर्घकालिक भी और स्थाई भी। सरकारी विभाग सालों से डायलिसिस पर हैं। खबर है कि राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल दाऊ कल्याण सिंह में डायलिसिस की 43 मशीनें दीवारों से सटी कतारबद्ध खड़ी हैं। इन मशीनों को मरम्मत की जरूरत है। पर सरकारी कामकाज के ढर्रे के कारण ऐसा हो नहीं पा रहा है। 12 मशीनों से विभाग चल रहा है। पहले यहां प्रतिदिन 70 से 80 मरीजों को डायलिसिस का लाभ मिलता था। अब मुश्किल से 20-25 मरीजों को ही यह सुविधा मिल पा रही है। शेष मरीजों को निजी अस्पतालों में डायलिसिस करवाना पड़ रहा है। मशीनों की मरम्मत क्यों नहीं हो पा रही है, इसकी वजह भी हैरान करने वाली है। जिम्मेदारों को कौन सा इन मशीनों का खर्चा निकालना है। लिहाजा मरम्मत की टेंडर प्रक्रिया साल भर से चल रही है। साल अब बीतने वाला है। नए साल का स्वागत भी डीकेएस इन्हीं कबाड़ों के साथ करेगा। यही अगर निजी अस्पताल होता तो या तो मशीनें एमएमसी पर होतीं या फिर तुरत फुरत इन्हें चालू करने की कोशिश की जाती। डायलिसिस की एक मशीन की कीमत साढ़े छह लाख से लेकर 15 लाख तक हो सकती है। निजी अस्पताल का संचालक इसे यूं ही कबाड़ में तब्दील होने नहीं दे सकता। पर सरकारी अस्पताल में किसे फर्क पड़ता है। मशीन कबाड़ हो जाएगी तो नई आ जाएगी। फिर पुरानी नीलामी में चली जाएगी। या फिर कंपनी ही इसे या तो रीप्लेसमेंट स्कीम में खरीदेगी या फिर नीलामी में उठा लेगी। फिर इसके खराब पुर्जों को बदलकर रीफर्बिश्ड बेचेगी। भारतीय निजी अस्पतालों में रीफर्बिश्ड मशीनों की भी अच्छी खासी डिमांड होती है। जब तक चलती है ये मशीनें भी नई मशीनों के बराबर ही कमाकर देती हैं। इस सिलसिले में पश्चिम ओडीशा का एक किस्सा याद आता है। हीराकुद बांध से लगा हुआ है बुर्ला। बुर्ला मेडिकल कालेज अस्पताल में भी डायलिसिस की कई मशीनें कबाड़ में पड़ी हुई थीं। उधर शहर में एक निजी डायलिसिस सेंटर खूब तरक्की कर रहा था। गजब तब हो गया जब कटक से एक चिकित्सक यहां पहुंचा। उसने स्वयं डायलिसिस के मशीनों की जांच परख की और इसका पुर्जा उसमें लगाकर कुछ डायलिसिस मशीनों को चालू कर लिया। कुछ और भी परिवर्तन अस्पताल में किये। पर लोगों को यह रास नहीं आया। फिर एक दिन एक महिला स्टाफ ने उनपर गंदा आरोप लगा दिया। इसके कुछ दिन बाद उन्हें उनके क्वाटर में घुसकर अज्ञात लोगों ने चाकू मार दिया। घायल चिकित्सक अपना छाता और झोला उठाकर वापस कटक चला गया। इस घटना का उल्लेख यहां केवल इसलिए किया जा रहा है कि पूरी सिस्टम ही डायलिसिस पर चल रहा है। इक्का-दुक्का के खिलाफ जांच या कार्रवाई से स्थिति नहीं सुधरने वाली। स्थिति सुधारने को समूचे सिस्टम को रीफर्बिश करने की जरूरत है।

संपादकीय

अब कांग्रेस इस मामले में क्या कहेगी

किसी भी राजनीतिक दल को बोलने का मौका मिलता है तो ज्यादा नहीं बोलना चाहिए।ऐसा नहीं कहना चाहिए कि ऐसा तो उस पार्टी में हो सकता है।हमारी पार्टी के लोग तो ऐसा नहीं करते हैं। हमारी पार्टी के लोग तो ऐसा कर ही नहीं सकते। महतारी वंदन योजना का लाभ एक अपात्र को मिलने पर कांग्रेस ने ऐसा बयान दिया था जैसे भाजपा सरकार सारे अपात्र लोगों को योजना का लाभ दे रही है और भ्रष्टाचार कर रही है।कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया था कि महतारी वंदन योजना में पहले दिन से ही भ्रष्टाचार किया जा रहा है। योजना में फिल्म अभिनेत्री सनी लियोन के नाम से पिछले दस माह से भुगतान किया जाना इस योजना के असली हकीकत को बताता है। सनी लियोन के नाम से एक प्रकरण का खुलासा हुआ है। हकीकत में पूरे प्रदेश में 45 लाख महिलाओं के नाम से भ्रष्टाचार किया जा रहा है। महतारी वंदन योजना भाजपा सरकार के सुनियोजित भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण है।हर माह इस योजना में 450 करोड़ का घोटाला किया जा रहा है।

> **कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप तो लगा दिया 45 हजार अपात्र महिलाओं को योजना का लाभ दिया जा रहा है लेकिन वह 45 महिलाओं का नाम नहीं बता सके हैं, इससे साफहो जाता है कि कांग्रेस वाले मौका पाकर भ्रष्टाचार के नाम पर झूठ कह रहे हैं ताकि जनता को बताया जा सके कि कांग्रेस सरकार से अलग नहीं है भाजपा की सरकार। कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार हो सकता है तो भाजपा सरकार में भी भ्रष्टाचार हो सकता है। निचले स्तर पर सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों के कारण हर सरकार में ऐसा होता है।**

साय सरकार के समय एक अपात्र महिला के नाम पर पैसा लिया जा रहा था तो इसका पता चलने पर साय सरकार ने संबंधित लोगों के खिलाफ तुरंत जांच कर कार्रवाई की है। इससे पता चलता है कि सरकार भ्रष्टाचार होने देने के पक्ष में है सरकार है या भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ है।

कांग्रेस के समय तो पांचों साल हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार होता रहा लेकिन सरकार ने किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। साय सरकार के आने के बाद पीएससी घोटाला हो,सट्टा घोटाला हो, शराब घोटाला हो सरकार ने मामले की जांच कर कार्रवाई की है। कई लोग जेल भेजे गए है। सरकार ने भ्रष्टाचार न होने देने के लिए सरकारी स्तर पर व्यवस्था की है। साय सरकार व कांग्रेस सरकार में यह फर्क जनता महसूस करती है कि एक सरकार के समय भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई और एक सरकार के समय भ्रष्टाचार का पता चलते ही कार्रवाई की जा रही है। सनी लियोन मामले में तीन लोगों के खिलाफकार्रवाई की गई है।

इसके बाद बस्तर जिले के बकावंड ब्लाक में तीन अविवाहित कन्याओं को फर्जी दस्तावेज बनाकर योजना का लाभ दिलाने का मामला सामने आया है। शिकायत पर इस मामले की जांच की जा रही है तथा कहा गया है कि इस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मजे की बात यह है कि इस मामले की शिकायत भाजपा नेताओं ने की है तथा बस्तर कांग्रेस विधायक प्रतिनिधि जानकी राम पर आरोप है कि उसने अपने परिवार की तीन कुंवारी कन्याओं को विवाहिता बताकर योजना का लाभ दिलाया है। इस मामले की जांच शुरू हो गई तथा टलनार ग्राम पंचायतके सरपंच व सचिव को नोटिस जारी कर दिया गया है।कलेक्टर के निर्देश पर अब तीनों कन्याओं से महतारी वंदन योजना की राशि की वसूली की जाएगी।

अखबार में यह खबर छपी है कि महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए कुंवारी लड़कियों को ब्याहता बताया कांग्रेस नेता ने। इस मामले में कांग्रेस नेताओं को कुछ कहना चाहिए। कांग्रेस के नेता आरोप लगाते हैं कि महतारी वंदन योजना में भाजपा 450 करोड़ का भ्रष्टाचार कर रही है तो यह तो कांग्रेस साबित नहीं कर सकी है। लेकिन यह तो जांच में साबित हो जाएगा कि कांग्रेस नेता ने महतारी वंदन योजना का लाभ अपने घर की लड़कियों को दिलाने के लिए भ्रष्टाचार किया है। फिर कांग्रेस क्या कहेगी। यह तो बड़ी शर्म की बात है कि कांग्रेस नेता भाजपा सरकार की योजना का लाभ अपने घर वालों को दिलाने के लिए भ्रष्टाचार कर रहे हैं। ऐसे में लोग तो कहेंगे ही कि कांग्रेस नेता अपनी सरकार रहे तो भ्रष्टाचार करने से चूकते नहीं है, दूसरी पार्टी की सरकार रहे तो भी भ्रष्टाचार करने से बाज नहीं आते हैं।

नजरिया

जलवायु बदलावों की गति थामने को जरूरी गंभीर पहल

दुनिया में ऐसा मानने वाले बहुत लोग हैं कि जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ हवा-हवाई बातें हैं। इनका हौवा खड़ा करके कुछ पर्यावरणवादी संगठन और गरीब देश धन ऐंठते हैं। हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप तो ऐसे ही तर्क देकर जलवायु परिवर्तन थामने वाली पेरिस संधि से बाहर भी हो चुके हैं। इसके अलावा कुछ लोग मानते हैं कि ग्लोबल वॉर्मिंग का कई बार सकारात्मक असर भी होता है।

अभिषेक कुमार सिंह

इसका एक उदाहरण उत्तराखंड में सामने आया, जहां तेजी से बढ़ते एक हिमनद यानी ग्लेशियर का पता चला है। भारत-चीन सीमा के नजदीक नीति घाटी में पाया गया यह हिमनद 48 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैला है। हाल तक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम आदि में हिमनदों के पिघलने, सिकुड़ने और गायब हो जाने की खबरें आती रही हैं। तेजी से बढ़ते ग्लेशियर की सूचना से जलवायु परिवर्तन से जुड़े वे सवाल फिर उठ खड़े हुए हैं कि कहीं सच में ऐसी आपदाओं का फर्जी डर तो नहीं दिखाया जा रहा है। या फिर नुकसान करने की बजाय यह परिवर्तन पृथ्वी के वातावरण में संतुलन बनाने के लिए तो नहीं होता है।

उत्तराखंड में सामने आए हिमनद का पता देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने उपग्रही आंकड़ों और अन्य तकनीकों के जरिए लगाया है। क्या ऐसा जलवायु परिवर्तन के सकारात्मक प्रभावों से हुआ है- इसके जवाब में इन भूवैज्ञानिकों का मत है कि यह विचित्र घटना पर्यावरणीय असंतुलन यानी हाइड्रोलॉजिकल इंबैलेंस का परिणाम है जिसकी वजह से बर्फ की परतें कमजोर हो जाती हैं और वे अस्थिर होकर बड़े इलाके में फैल जाती हैं। बाढ़, सूखे, चक्रवात, भीषण गर्मी या सर्दी समेत तमाम तरह के मौसमी असंतुलन भी जलवायु परिवर्तन की अराजकताओं के नतीजे में पैदा होते हैं। बीते वर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर कई यूरोपीय देशों ने जैसी भीषण गर्मी और बाढ़ की

त्रासदियां झेली हैं, उनमें यह असंतुलन दिखाई दे रहा है। इन्हीं घटनाओं के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस बयान दे चुके हैं कि हमारी पृथ्वी गंभीर किस्म की जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही है।

जलवायु संकटों पर निगाह डालें तो बीते कुछ वर्षों में दुनिया में काफी उथल-पुथल हो गई। हाल के चार वर्षों में कोरोना वायरस के कारण लगे प्रतिबंधों का धरती की जलवायु पर सकारात्मक असर हुआ था। तब उम्मीद की जाने लगी थी कि इन सार्थक तब्दीलियों से सबक लेते हुए पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्थाएं विकास का ऐसा रास्ता चुनेंगी, जिसमें धरती के सुंदर भविष्य की परिकल्पनाएं साकार हो जाएंगी। लेकिन पहले तो अमेरिका-चीन के बीच तनातनी ने माहौल बिगाड़ा व बाद में रूस-यूक्रेन जंग ने। विशेषज्ञों का दावा है कि पिछले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (ग्लासगो) में जिन बातों को लेकर सहमति बनी थी, उन्हीं की दिशा में बहुत धीमी प्रगति हुई। दूसरी वजह वित्तीय संकट और ऊर्जा के वैश्विक विकल्पों के सीमित होने की घटनाओं से बनी। ये घटनाएं न होतीं तो संभवत: जलवायु परिवर्तन लक्ष्य हासिल करने की राह आसान होती।

विकास बनाम पर्यावरण संकट के रिश्तों की बात करें तो तय है, जैसी धरती हमें सदियों पहले मिली थी, वह हमेशा वैसी नहीं रह सकती। विकास की कुछ कीमत पर्यावरण को अदा करनी ही थी। लेकिन धरती और इसकी आबोहवा औद्योगिक क्रांति के डेढ़ सौ बरस में ही इतना ज्यादा बदल गयी कि वैसा कुछ पृथ्वी पर जीवन के विकास के हजारों साल में कभी नहीं हुआ। चार दशक पहले जिनेवा मेंआयोजित पहले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से मिलती है, जिसमें जुटे विज्ञानियों ने पहली बार जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसमी बदलावों पर औपचारिक रूप से चिंता जताई थी। हाल के वर्षों में जलवायु विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अब अगर जल्द ही जलवायु परिवर्तन से निपटने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बनाई गई तो इंसान नामक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा हो सकता है क्योंकि क्लाइमेट इमरजेंसी का वक्त आ पहुंचा है। इसका अंदाजा वर्ष 2022 में पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ व यूरोप के कई देशों में ऐतिहासिक गर्मी पड़ने से नदियों के सूखने से लगता है। जलवायु परिवर्तनों के बदलावों को कई वैज्ञानिक अध्ययनों में दर्ज किया गया है।

ब्रिटेन विश्व में ऐसा पहला देश है जिसने पांच साल पहले 1 मई, 2019 को लंदन में हुए एक आंदोलन के बाद प्रस्ताव पारित करते हुए देश में सांकेतिक तौर पर जलवायु आपातकाल घोषित किया था। मई 2019 में ही आयरलैंड ऐसा करने वाला दूसरा देश बना था जिसकी संसद ने 'जलवायु आपातकाल' घोषित कर दिया था। साथ ही संसद से आह्वान किया था कि आयरिश सरकार जांच करके पता लगाए कि उसकी कौन सी नीतियों के कारण जैव-विवधता को नुकसान पहुंच रहा है और भरपाई के लिए क्या बदलाव किए जाएं। जलवायु आपातकाल लगाने के फैसले के पीछे लंदन में हुए जिस आंदोलन की भूमिका है, उसे वहां जिस समूह ने चलाया था उसका लक्ष्य साल 2025 तक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन सीमा शून्य पर लाने और जैवविविधता के नुकसान को समाप्त करना है। दरअसल पृथ्वी का हम इंसानों ने बेदर्दी से दोहन किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, पृथ्वी के वायुमंडल में पहले से ज्यादा जहरीली गैसें और गर्मी घुल गई है। कोई अपवाद छोड़ दें तो इस गर्मी के चलते गंगोत्री और अंटार्कटिका जैसे ग्लेशियर तेजी से पिछल रहे हैं। तितलियों, मधुमक्खियों, मेंढक व मछली प्रजातियों, चिड़ियों, दुर्लभ सरीसृपों और अन्य जीव-जंतुओं की सैकड़ों किस्में हमेशा के लिए विलुप्त हो गई हैं। जंगल खत्म हो गए हैं, पानी का अकाल पड़ रहा है। कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों की मात्रा काफी ज्यादा बढ़ गई है जिससे सांस लेना दूभर हो गया है। नदियों से भी आस टूट रही है। नदियों के अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है।

चार-पांच दशकों में धरती की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ, जबकि आह्वान कई बार किए जा चुके हैं। अरबों-खरबों के खर्च के बावजूद वे कोशिशें रंग लाती नहीं दिखीं, जिन पर अमल होने से धरती माता के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार आ जाना चाहिए था।

(ये लेखक के विचार हैं)

बेहद संवेदनशील संदेश देती है गर्ल्स विल बी गर्ल्स

पंकज दुबे

किशोरवय के बच्चों की जिंदगी में इंफेच्युएशन' और लव' के बीच के फर्क को समझने और उसे मैच्युरिटी से संभालने की दिशा में अपने इकोसिस्टम से सीखते समझते किरदारों की कहानी पर आधारित है गर्ल्स विल बी गर्ल्स। यह एक एक बेहद संवेदनशील और प्रभावशाली फिल्म है, जो मां-बेटी के जटिल और गहराई से भरे रिश्ते पर आधारित है।

हिंदुस्तानी समाज में सेक्स शब्द किसी टैबू से कम नहीं है। इस शब्द के किसी पब्लिक प्लेस या फिर घर की गैदरिंग में भी उच्चारण मात्र से ऐसा लगता है जैसे कोई बम फट जाता हो। ज्यादातर लोग सेक्स के बारे में दबी जुबान से फुसफुसाते भर हैं, वो भी क्लोज्ड सर्कल में। ज़ाहिर है सेक्स एजुकेशन को लेकर कोई विचार विमर्श भी ठीक तरह से नहीं हो पाता है क्योंकि उसमें भी सेक्स शब्द विद्यमान है।

हमलोग ऐसे समाज में हैं जहां केमिस्ट के पास कंडोम या सैनिटरी पैड्स खरीद कर लेने पर उसे पुराने अखबार या काली पॉलीथिन में छुपा कर, पैक करके देने की संस्कृति है। दिलचस्प है कि एक ही समय काल में, एक ही देश के अलग अलग हिस्सों में, समाज की अलग अलग परतें, वैल्यूज, सोच, समझ वाले लोग एक साथ भी बसते हैं। बहरहाल, मौजूदा दौर के हिंदुस्तानी टीन एजर्स लड़के-लड़कियों ही नहीं, बल्कि बच्चों से भी उनके पेरेंट्स को सेक्स और सेक्स एजुकेशन को लेकर खुल कर बातचीत और विचार विमर्श की जरूरत है।

जब तक सेक्स और सेक्स एजुकेशन को एक गुप्त मुद्दा मानने की बजाय उसे जीवन शैली का हिस्सा बना कर उसका सामान्यीकरण नहीं होगा तब तक बच्चे और किशोर अपनी जिज्ञासाएं पूरी करने के लिए, मन में उठते अपने सवालों के जवाब के लिए इंटरनेट का सहारा लेंगे। हमें अच्छी तरह मालूम है कि इंटरनेट पर सूचनाओं की प्रामाणिकता कितनी संदिग्ध है। इंटरनेट से बच्चों को अधकचरा ज्ञान ही मिलता रहेगा और सूचना का ऑनलाइन समुद्र उनके मन का अंधेरा मिटाने की बजाए और घना करता जाएगा।

किशोरवय के बच्चों की जिंदगी में इंफेच्युएशन' और लव' के बीच के फर्क को समझने और उसे मैच्युरिटी से संभालने की दिशा में अपने इकोसिस्टम से सीखते समझते किरदारों की कहानी पर आधारित है गर्ल्स विल बी गर्ल्स । यह एक एक बेहद संवेदनशील और प्रभावशाली फिल्म है, जो मां-बेटी के जटिल और गहराई से भरे रिश्ते पर आधारित है।

गर्ल्स विल बी गर्ल्स' शुचि तलाटी के निर्देशन में बनी है, जो उनके करियर की पहली फीचर फिल्म है। इंडो-फ्रेंच प्रोडक्शन के तहत सार्थक कलाकार रिचा चड्ढा और अली फजल अब निर्माता के रूप में भी दस्तक दे चुके हैं। यह फिल्म उनके प्रोडक्शन हाउस पुश बटन स्टूडियोज की तरफ से पहली प्रस्तुति है, जो इस बात का संकेत देती है कि एक्टर्स-प्रोड्यूसर्स और अब लाइफ पार्टनर्स की ये रचनात्मक जोड़ी साहसी और अर्थपूर्ण कहानियों में जान फूंक कर उन्हें रुपहले पर्दे पर ला सकने के सफर में अपना प्रोफेशनल योगदान देने के लिए तैयार है। गर्ल्स विल बी गर्ल्स' का वर्ल्ड प्रीमियर इसी वर्ष सनडांस में हुआ था। उसके बाद इस फ़िल्म को कई अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले। इस फिल्म ने बतौर निर्माता इन दोनों के लिए कामयाबी का देसी झंडा भी तब गाड़ दिया जब इसे मुंबई के मामी फिल्म फेस्टिवल में चार अवॉर्ड मिल गए।

फिल्म की कहानी 1990 के दशक के भारत में सेट की गई है, जहां एक किशोर लड़की और उसकी मां के बीच के जटिल संबंधों की पड़ताल की गई है। फिल्म भारतीय परिवेश के पारंपरिक सामाजिक ढांचे और उसमें मौजूद पितृसत्तात्मक सोच को चुनौती देती है। यह मां और बेटी के व्यक्तिगत और आपसी संघर्षों के माध्यम से सेक्स एजुकेशन, किशोरावस्था की जिज्ञासा, और प्यार और आकर्षण के बीच के अंतर जैसे मुद्दों पर चर्चा करती है।

शुचि तलाटी ने बेहद सरल लेकिन प्रभावशाली तरीके से कहानी को बुना है। 90 के दशक के भारतीय जीवन का चित्रण बहुत ही प्रामाणिक और वास्तविक है। संवाद और किरदार बेहद सजीव और पहचानने योग्य लगते हैं। मां-बेटी के बीच के पल कभी आपको हंसाएंगे तो कभी भावुक कर देंगे। फिल्म का एक प्रमुख पहलू यह है कि यह किशोरावस्था में सेक्स एजुकेशन के महत्व को उजागर करती है। इसमें दिखाया गया है कि किस तरह एक पीढ़ी की गलतफहमियां और संकोच, अगली पीढ़ी के लिए भ्रम पैदा कर सकती हैं।

मां के किरदार में कलाकार (कनी कुशरुति) ने बेहद मजबूत और भावनात्मक परफॉर्मेंस दी है। बेटी की भूमिका में एक उभरते हुए कलाकार, प्रीति पाणिग्रही ने किशोरावस्था की मासूमियत और विद्रोही स्वभाव को बखूबी निभाया है। दोनों के बीच का समीकरण फिल्म की आत्मा है। इन दोनों के अलावा केशव बिनॉय खेर ने बॉयफ्रेंड के किरदार में अपनी भूमिका बहुत बेहतर ढंग से निभाई है।

नवोदित लेखक-निर्देशक शुचि तलाटी की स्टोरीटेलिंग में सादगी, सरलता है और इम्पैक्ट सबका बेहद संतुलित पुट है। उन्होंने एक ऐसी कहानी चुनी है, जो जानी-पहचानी तो लगती है लेकिन उसमें ताजगी और नई सोच है। उनका लेखन इस बात पर जोर देता है कि हमें अपने समाज में सेक्स एजुकेशन और भावनात्मक जागरूकता को किस तरह और कितना महत्व देना चाहिए।

फिल्म के सेट और प्रोडक्शन डिजाइन में 90 के दशक की झलक साफ़ दिखाई देती है। बैकग्राउंड म्यूजिक कहानी की नैरेटिव को रोकने की बजाए बेहतर ढंग से उभारता है। सिनेमैटोग्राफी में सादगी है, जो कहानी के गहरे भावनात्मक पहलुओं को उभारने में मदद करती है। कुल मिलाकर इस फिल्म में कथ्य और शिल्प दोनों का संतुलित सामंजस्य है ।

गर्ल्स विल बी गर्ल्स सिर्फ मां-बेटी की कहानी नहीं है, बल्कि यह समाज को आईना दिखाने वाली फिल्म है। यह फ़िल्म न केवल एक पीढ़ी की संवेदनाओं और दूसरी पीढ़ी की जिज्ञासाओं के बीच के अंतर को दिखाती है, बल्कि यह भी बताती है कि समझ और संवाद के जरिए इन दूरियों को कैसे मिटाया जा सकता है।

भारतीय समाज की तरह ही हिंदी फ़िल्म उद्योग भी सेक्स एजुकेशन से जुड़े विषयों पर सकारात्मक फिल्म बनाते रहने से कतराता रहा है, जिसकी एक बड़ी वजह बाजार का दबाव माना जा सकता है। बावजूद इसके पिछले साल इस दिशा में एक अहम कदम उठता तब दिखा जब दर्शकों को ओह माय गॉड-2' देखने को मिली, जिसमें सेक्स एजुकेशन को कहानी का प्रमुख मुद्दा बनाया गया था। इस फिल्म के लेखक-निर्देशक अमित राय थे और इसमें अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म ने यह बखूबी साबित किया था गंभीर मुद्दों पर भी मनोरंजक फिल्में बनाई जा सकती है, जिसका कारोबार भी उत्साहवर्धक हो।

बहरहाल, गर्ल्स विल बी गर्ल्स' बेहद सादगी से दिल को छू लेने वाली कहानी के जरिए बेहद संवेदनशील संदेश देती है। प्राइम वीडियो पर है, देख लीजिएगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

मोदी-शाह राज में सब मुमकिन

हरिशंकर व्यास

इस सप्ताह नीतीश कुमार को भारत रत्न देने का कयास सुना तो वही उद्धव ठाकरे ने सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की। जबकि सरकार ने सर्वत्र अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर का कीर्तन बनाया हुआ है। तो क्यों नहीं मोदी सरकार अपने दिल में बसे डॉ. भीमराव अंबेडकर को दिखाने के लिए इस जनवरी उनके पोते प्रकाश अंबेडकर को भारत रत्न से नवाज देती है? हालांकि कांशीराम, मायावती भी दलितों के आईकॉन हैं! हां, मोदी-शाह राज में सब मुमकिन है। आखिर यथा राजा तथा प्रजा के सत्य में टके सेर भाजी टके सेर खाजा भी तो हम हिंदुओं का इतिहासजन्य अनुभव है।

कुछ भी संभव है! बस, राजा के कान में हेडलाइन' का मंत्र फूंक जाए। सोचें, अंबेडकर शब्द के मंत्र पर! भाजपा जन्म से आज तक कभी भी अंबेडकर के नाम पर, दलित वोटों से नहीं जीती। हमेशा रामजी, हिंदू वोट, हिंदू राजनीति से जीती। नरेंद्र मोदी और अमित शाह को न गुजरात में, न बनारस में कभी थोक दलित वोट मिले और न हाल में महाराष्ट्र, झारखंड के चुनावों में मिले। यह भी सत्य है कि संविधान पर हुई बहस में अमित शाह के कहे में कुछ भी गलत नहीं था।

अमित शाह का कहना था- हमारे संविधान को कभी भी अपरिवर्तनशील नहीं माना गया। समय के साथ साथ देश भी बदलना चाहिए। समय के साथ कानून भी बदलने चाहिए और समय के साथ साथ समाज भी बदलना चाहिए। अब ये एक फैशन हो गया है। आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

भाषण का यह अंश संसद कार्यवाही का हिस्सा है। तब नरेंद्र मोदी और अमित शाह के कान में किसने यह मंत्र फूंका कि राहुल गांधी के इस ट्विट (मनुस्मृति मानने वालों को अंबेडकर जी से तकलीफ़ बेशक होगी ही) से दलित भड़केंगे? और भविष्य में प्रधानमंत्री बनने का आपका सपना बिखर जाएगा इसलिए जरूरी है कि कांग्रेस को अंबेडकर विरोधी करार देने के लिए भाजपा पिल पड़े! तभी संसद परिसर मानों आर-पार की लडाई का पानीपत हुआ।

सोचें, बैठक खाने में सावरकर, चाणक्य की तस्वीर लगाए अमित शाह की अंबेडकर पर पहले स्पष्टवादिता, फिर रक्षात्मक, आक्रामक होने की इस राजनीति पर। भला राहुल गांधी, खड़गे के मनुस्मृति के जुमले से भाजपा का क्या कोई वोट खराब होता है? अंबेडकर का पोता प्रकाश अंबेडकर दशकों की दलित राजनीति के बावजूद आज भी जीरो है। मायावती जब तक तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार का नारा लगाती थी तब तक सड़क पर रही और मनुस्मृति के वंशज ब्राह्मणों को हाथी नहीं गणेश का नारा लगा पटाया तो सत्ता में आईं!

ऐसे ही आरएसएस के लाठीधारियों के लिए हमेशा पूजनीय यदि सावरकर, हेडगेवार और गोलवलकर थे और उन्हीं की बदौलत अंतत: हिंदू राजनीति को केंद्र का शासन मिला तो मोदी-शाह को सावरकर के सत्य पर अटल रहना चाहिए था या कांग्रेस पर यह पलट वार करना था कि हम असली अंबेडकरवादी हैं और कांग्रेस ने उन्हें धोखा किया जबकि हमने अंबेडकर को भारत रत्न दिया!

तभी नैरेटिव के अधबीच उद्धव ठाकरे का संघ परिवार को यह थप्पड़ है जो (सावरकर पर राहुल गांधी की टिप्पणी के ताजा संदर्भ में) उन्होंने सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की। उन्होंने देश-दुनिया को बताया है कि मोदी राज अंबेडकर, अंबेडकर तो कर रहा है लेकिन जिस हिंदुवाद तथा संघ परिवार की बदौलत मोदी-शाह सत्ता भोग रहे हैं उसके पितामह सावरकर को अभी तक इस मोदी राज ने भारत रत्न क्यों नहीं दिया?

अंबेडकर को दिया और उन्हें नहीं दिया तो यह कथित हिंदुत्व, हिंदू राजनीति की अहसानफरामोशी है या नहीं? जब प्रणब मुखर्जी से कर्पूरी ठाकुर तक तमाम लोगों को भारत रत्न बांट दिए तो आरएसएस के हेडगेवार, गोलवलकर को भी बांट देते? ये क्या अंबेडकर, अंबेडकर कर उनसे अपनी वफादारी दिखा रहे हैं? वही यदि अपने सावरकर, हेडगेवार, गोलवलकर का ही नाम ले लिया होता तो कम से कम अपने वंश, अपनी विचारधारा के तो सगे कहलाते!

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

महापौर पद का आरक्षण अब 7 जनवरी को होगा

दुर्ग। नगर पालिक निगम वर्ष 2024–25 में होने वाले प्रदेश के नगरीय निकायों के आम निर्वाचन हेतु छत्तीसगढ़ नगर पालिका महापौर के पद का आरक्षण नियम 1999 के प्रावधानों के अंतर्गत नगर पालिक निगमों के महापौर तथा नगर पालिका परिषद् एवं नगर पंचायत के अध्यक्षों के पदों का आरक्षण दिनांक 27 दिसंबर 2024 दिन शुक्रवार पूर्वान्ह प्रात: 10:30 बजे से पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साईंस कॉलेज परिसर रायपुर, जिला–रायपुर में होना था जिसकी तिथि अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर उक्त कार्यवाही दिनांक 7 जनवरी 2025 दिन मंगलवार को पूर्व नियत स्थल एवं समय पर सम्पादित की जाएगी।

अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर किया गया माल्यार्पण

रायपुर। भाजपा फाफाडीह मंडल के अंतर्गत राजीव गांधी वार्ड–13 में भारत रत्न छत्तीसगढ़ के निर्माता भारत देश के पूर्व यशस्वी प्रधानमंत्री परम् श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के शुभ अवसर पर उनके तेलचित्र में माल्यार्पण कर सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस शुभ अवसर में मुख्य रूप से राजीव गांधी वार्ड–13 के पार्षद आदरणीय सम्माननीय तिलक भाई पटेल, भाजपा फाफाडीह मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र गंडेचा, मंडल महामंत्री गोपाल ठाकरे, अनीता महानंद, विकास अग्रवाल, अनिल कुलदीप जी,रोशन ठाकुर, माधव साहू, राजू तिवारी जी तथा वार्ड के समस्त कार्यकर्ता बंधु उपस्थित थे।

भिलाई निगम के एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू की माता का निधन

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू की माता वाई अन्नपूर्णा पति वाई रामलु का गुरुवार को निधन हो गया। पार्षद लक्ष्मीपति की माता अन्नपूर्णा ने 75 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। उनकी अंतिम यात्रा आज 27 दिसंबर दिन शुक्रवार को अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम भिलाई में किया गया। वाय अन्नपूर्णा अपने पीछे पति वाय रामलु, तीन पुत्र लक्ष्मीपति राजू, वाई भास्कर, वाई मुरली सहित बहू, नाती, पोतों से भरापूरा परिवार छोड़ गई है।

दुर्ग के ग्रीन चौक की बढ़ी रौनक, शहीदों की लगी प्रतिमाएं, सांसद बघेल की उपस्थिति में हुआ अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर की हृदय स्थली ग्रीन चौक यानी शहीद चौक का सौंदर्यीकरण किया गया है। यहां पुनर्निर्माण एवं सौंदरीकरण के साथ इसका लोकार्पण भी किया गया। मोर शहर मोर जिम्मेदारी कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए सौंदर्यीकरण में स्वर्गीय मोतिलाल वोरा सांसद निधि एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा के विधायक निधि के अलावा दुर्ग शहर के वरिष्ठ समाजसेवी मनीष पारख के विशेष सहयोग रहा। लगभग सत्तर लाख रु के खर्च से यह निर्माण कार्य पूरा हो सका।

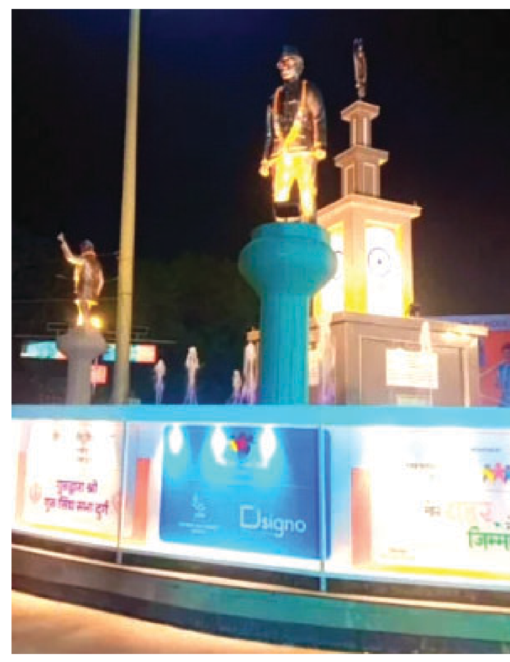

अनावरण कार्यक्रम में सिंधी कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे के प्रधान सेवादार अरविंदर सिंह खुराना राजू भाटिया समेत सभी वरिष्ठ पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सांसद विजय बघेल पूर्व विधायक अरुण वोरा, विधायक ललित चंद्राकर एवं महापौर की उपस्थिति में शहीद चौक में लगाई गई शहीदों की मूर्ति का अनावरण किया गया। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर दोनों पार्टियों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने इस निर्माण कार्य की सराहना की आने वाले समय में इस इस चौक के सौंदर्यीकरण का रखरखाव की जिम्मेदारी भी समाजसेवी मनीष पारख ने ली है।

मेघ गंगा ग्रुप दुर्ग शहर की एक प्रख्यात व्यवसायिक समूह है, जिसके नींव मनीष पारख द्वारा रखा गया, जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहा है। जिसके अंतर्गत अविश एडुकॉम ङ्क शिक्षा के क्षेत्र में एनिमेशन, वीएफ्एक्स, ग्राफिक्स और फैशन एवं इंटीरियर डिज़ाइन के कोर्स प्रदान करता है। जो की दुर्ग रायपुर और भुबनेश्वर में अपनी विश्वसनीयता का पर्याय बन चुका है। लाइफ्केयर डायग्नोसिस स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्टता के साथ उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधाएं प्रदान करते हुए दुर्ग और भिलाई में सफलता पूर्वक संचालित है इसके अलावा जल्द ही स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नेहरू नगर इमेज भी मेघ गंगा ग्रुप के द्वारा संचालित किया जाएगा।

बता दें अवीश एडुकोम, लाइफ केयर डायग्नोसिस, इमेज नेहरू नगर, जयदीप गैस एजेंसी के संचालक मनीष पारख के द्वारा दुर्ग के प्रमुख चौराहो का सौंदरीकरण किया जा रहा है आने वाले समय में जल्दी ही सौंदरीकरण का पूर्ण कार्य पूरा किया जाएगा।

जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र में प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य पर आरसीएच कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र में विगत दिनों प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करना विषय पर एक आरसीएच कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं में गुणवत्तापूर्ण देखभाल की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाना और नर्सिंग छात्रों, नर्सिंग बहनों और डीएनबी छात्रों को प्रशिक्षित करना था, ताकि प्रसवपूर्व परिणामों को अनुकूलित किया जा सके और सतत विकास लक्ष्यों के मातृ एवं नवजात लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास किए जा सकें।

कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें) डॉ एम रविन्द्रनाथ के मार्गदर्शन में एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एस मुखर्जी, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, विभागाध्यक्ष और प्रभारी आरसीएच डॉ रोशन हुसैन और अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी यूनिट की प्रमुख डॉ शायला जेकब के नेतृत्व में यह कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए इन सभी ने अपना पूर्ण समर्थन और सहयोग दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ के ठाकुर ने बेहतर प्रसवपूर्व परिणामों के लिए प्रसूति एवं बाल रोग विशेषज्ञ की भूमिका पर जोर दिया।

इसके बाद गर्भावस्था और प्रसवोत्तर अवधि में देखभाल के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ नवजात शिशु की देखभाल पर साइंटिफ्कि सेशन आयोजित किया गया। साथ ही जेएलएनएच और आरसी के प्रसूति एवं स्त्री रोग और बाल चिकित्सा विभाग के परामर्शदाताओं और नर्सिंग कॉलेज के प्रोफेसरों द्वारा व्याख्यान दिए गए। डॉ रोशन हुसैन तथा डॉ शायला जेकब ने कार्यशाला की योजना बनाई और पूरे कार्यक्रम की देखरेख की। डॉ रोशन हुसैन ने सभी का स्वागत किया और इस आरसीएच कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में लगभग 98 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें पीजी नर्सिंग कॉलेज, श्री शंकराचार्य नर्सिंग कॉलेज, अपोलो नर्सिंग कॉलेज, जेएलएनएच नर्स और ओ एंड जी विभाग सहित अन्य विभागों के डॉक्टर शामिल थे। ओ एंड जी विभाग के डॉ रोशन हुसैन और डॉ शायला जेकब के सक्रिय पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप यह कार्यक्रम सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुआ। डिप्टी सीएमओ (ओ एंड जी) डॉ नीना गुहा और चीफ कंसल्टेंट (ओ एंड जी) डॉ निशा ठाकुर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में 'निश्रेयस' प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) में ''निश्रेयस'' नामक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 24 दिसंबर 2024 को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को नई प्रौद्योगिकी के बारे में सशक्त जानकारी प्रदान करना और उनके संचालन एवं रखरखाव के कौशल को बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक टी.के. कृष्ण कुमार उपस्थित थे। यह आयोजन मुख्य महाप्रबंधक एवं विभाग प्रमुख टी. दस्तिदार के नेतृत्व और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस पहल के तहत कर्मचारियों को एक विशिष्ट विषय पर अध्ययन करने एवं अपने ज्ञान को प्रशिक्षण सत्र में साझा करने का अवसर प्रदान किया गया। फनींद्र वलेगा ने ''एन्कोडर्स के प्रकार, उनके कार्य सिद्धांत और अनुप्रयोगों'' पर एक प्रस्तुति दी, जिसकी प्रतिभागियों द्वारा सराहना की गई।

इस अवसर को महाप्रबंधक समिधा गुप्ता, महाप्रबंधक बारवाल, उप– प्रबंधक मनीष दुआ एवं आरएसएम के सेक्शन इंचार्ज – सुधीर सोर्टे, प्रशांत लाखे, सुदीप्तो चट्टोपाध्याय, आर. राजधर, विनय कुमार, आर.के. पवार, धुर्जाति सिन्हा, और मोनीषा मिश्रा समेत अन्य कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। 'निश्रेयस' प्रशिक्षण कार्यक्रम ने न केवल कर्मचारियों को नई प्रौद्योगिकी के ज्ञान से सशक्त किया, बल्कि उनके पेशेवर कौशल में सुधार के लिए एक उत्कृष्ट मंच भी प्रदान किया। यह पहल आरएसएम के कर्मचारियों की प्रगति और संगठन की सफ्लता में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

आप भी जानिये कार्यक्रम के अंतर्गत प्लेट मिल कार्मिकों की पत्नियों ने किया सयंत्र का भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र का मानव संसाधन विभाग, कार्मिकों के परिवारजनों से अपनत्व एवं पारिवारिक रिश्ते के निर्माण की दिशा में, उन्हें संयंत्र से परिचय कराने हेतु समय–समय पर आप भी जानिये कार्यक्रम का आयोजन करता है। इसी कड़ी में प्लेट मिल विभाग के कार्मिकों के पत्नियों को भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यक्षेत्रों से रूबरू कराने के उद्देश्य से 21 दिसम्बर 2024 को आप भी जानिये कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने कर्मठ कार्मिकों के योगदान की बदौलत उत्पादन एवं लाभ के कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इसके साथ ही हमारे कार्मिकों और उनके परिवार जनों के साथ अपनत्व एवं पारिवारिक रिश्ता कायम करने की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र का कार्मिक विभाग सतत प्रयासरत रहता है। संयंत्र के कार्मिक अपने कार्यस्थल को कार्यस्थल ही नहीं वरन पूजास्थल और मंदिर भी मानते हैं। कार्मिक अपने कार्यक्षेत्र में कैसे काम करते हैं तथा संयंत्र के विभिन्न इकाईयों में किस तरह उत्पादन होता है, इसे जानने की प्रबल इच्छा परिवारजनों के हृदय में सदैव रहती है। उत्पादन एवं लाभ में कार्मिकों के साथ ही साथ एक अहम भूमिका कार्मिक के परिवार की भी होती है जो कि प्राय: संयंत्र की कई जानकारियों से अनजान एवं अनभिज्ञ होते हैं।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात:काल मानव संसाधन विभाग में किया गया, जिसमें प्लेट मिल विभाग के 24 कार्मिकों की पत्नियाँ शामिल हुई थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक कार्तिकेय बेहेरा ने की। उक्त कार्यक्रम में प्लेट मिल विभाग के महाप्रबंधकगण संजय त्रिपाठी, जे सुधाकर, सी पद्मनाभन तथा मानव संसाधन विभाग के मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, महाप्रबंधक संजय द्विवेदी, वरिष्ठ प्रबंधक एम वी वी प्रसाद एवं मानव संसाधन विभाग मिल्स जोन 3 के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे । कार्यक्रम के शुभारंभ में प्लेट मिल के सत्यनारायण मेहर के सुरक्षा उद्बोधन के पश्चात कार्मिकों की पत्नियों को संयंत्र भ्रमण कराया गया। इसके अंतर्गत ब्लास्ट फर्नेस 8–महामाया, एसएमएस–3, रेल मिल, कोक ओवन एवं प्लेट मिल का भ्रमण कराया गया।

बीएसपी राजहरा माइंस क्षेत्र के महिला समाज द्वारा 140 कंबल का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस क्षेत्र के राजहरा महिला समाज द्वारा विगत दिनों समाज सेवा के तहत, अपने आसपास के ग्राम जमरूवा एवं साल्हे के ग्रामीण जनों को ठंड से बचने के लिए 140 कंबल का वितरण किया गया।

कंबल वितरण के अवसर पर राजहरा महिला समाज की अध्यक्षा श्रीमती रेखा सिंग गहरवाल ने कहा है कि राजहरा महिला समाज के द्वारा, समाज सेवा के क्षेत्र में हमेशा भिन्न कार्य किया जाता है।

हम ग्रामीण अंचलों में जाकर लोगों की जरूरत के हिसाब से आवश्यक सामग्री का वितरण करते हैंस हमारे संस्था की ओर से ग्रामीण अंचल में जाकर नेत्र शिविर लगाकर नेत्र जांच तथा चश्मा वितरण, स्वास्थ्य जांच संबंधित शिविर लगाकर स्वास्थ्य संबंधित जांच एवं दवाई का वितरण किया जाता हैस साथ ही अआस्पस के ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया जाता है।

राजहरा महिला समाज ने कई ग्राम पंचायत को विभिन्न आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी किया हैस इस अवसर पर राजहरा महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती रेखा गहरवार सहित श्रीमती उषा रामटेक, आशालता मजगहे, श्रीमती आरती कापरे, प्रभा सिंह, श्रीमती प्रतिमा सिंह, मिनौती बास्के एवं कार्मिक विभाग के अधिकारी शशांक राव, पर्यावरण अधिकारी ए के सार्वे और महिला समाज के केयर टेकर सोनउ राम साहू उपस्थित थे।

गंदगी फैलाने वाले व्यापारियों से पर चालानी कार्यवाही

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के जोन क्रमांक 01 अंतर्गत सिंगलयूज प्लास्टिक पर सामग्री बेचने एवं खरीदने को रोकने पर कार्यवाही लगातार जारी है। वार्ड क्रं. 02 स्मृति नगर में विभिन्न व्यवसासियों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक पर सामग्री बेचने एवं गीला एवं सूखा कचरा पृथक कर नहीं देने वाले व्यापारियो पर चालानी कार्यवाही की गई। प्रमुख रूप से हैप्पी फास्ट फूड सेंटर 500, नैवदयम द बैसिक इंडियन फास्ट फूड 1100, वेदांश इंटरप्राईजेस 1000, स्कीजेर युनिसेक्स सैलून 1000, द स्ट्राईलैंड ब्यूटी पार्लर 1000 एवं गुड फूड सेंटर 500 रूपये की चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 9500 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया।

सत्य व न्याय की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सिख गुरु गोविन्द गोविन्द सिंह जी के पुत्रों की शहादत को याद करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित बालगृह बालक माना कैम्प, बाल जीवन ज्योति बालिका गृह पुरानी बस्ती, बालिका गृह कोंडागांव के साथ मुख्य कार्यालय रायपुर में वीर बाल दिवस मनाया गया। परिषद के संयुक्त सचिव राजेन्द्र कुमार निगम ने बताया की किस प्रकार से गुरू गोविंद सिंह जी के 2 पुत्रों अजीत सिंह और जुझार सिंह, ने वीरता पूर्वक लड़ते हुए चमकौर की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी और उनके 2 पुत्रों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद के नवाब वजीर खान ने दीवार में जिंदा चुनवा दिया था।

इस प्रकार गुरु गोविन्द सिंह जी के चारों पुत्रों ने धर्म, सत्य और न्याय की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनके साहस, वीरता और शहादत को याद करते हुए उन्हे श्रद्धांजलि दी गई। बच्चों और युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा मिलती हैं कि कैसे साहस और संकल्प से बड़े काम किया जा सकता है। इससे हमें राष्ट्र प्रेम और धर्म के प्रति समर्पण के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा मिलती है। भारत सरकार द्वारा भी 16 से 24 दिसम्बर तक वीर बाल दिवस कार्यक्रम करने हेतु प्रपत्र जारी किया गया था जिसके तहत 6 वर्ष से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों से पेंटिंग, 11 वर्ष से 18 वर्ष के बच्चों के लिए कविता, नाटक और मनोरंजन के लिए नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन करने निर्देश प्राप्त हुआ था। बालगृह माना कैम्प में पेंटिंग में प्रथम राजू, द्वितीय दीपक, तृतीय बंटी नाटक में डॉक्टर की भूमिका में पप्पू और शिक्षक की भूमिका के लिए दुर्गेश को और नृत्य में सोनू , बिट्टू और साहिल को पुरस्कार प्रदान किया गया इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर परिषद के उपाध्यक्ष डॉ अशोक त्रिपाठी, डॉ कमल वर्मा, महासचिव चंद्रेश शाह, संयुक्त सचिव राजेन्द्र कुमार निगम, प्रभा सेंद्रे, श्वेता सिंह, पूजा मिसलवार और सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहादत को किया गया नमन

महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में वीर बाल दिवस मनाया गया,इस मौके पर महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने वीर बाल दिवस पर वक्तव्य रखते हुए बताया की वीर बाल दिवस सिक्ख संप्रदाय के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के दो पुत्रों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत को चिंतन कर पुण्य स्मरण किया जा रहा है उन्होंने इस मौके पर दोनों वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और बताया कि जिन्होंने छोटी उम्र में धर्म और सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था ऐसे वीर सपूतों को याद किया जाना चाहिए.आप सभी छात्र-छात्राओं को दोनों बालकों की शहादत से प्रेरणा लेनी चाहिए जिससे आप अपने सामाजिक कर्तव्यों को समझ सकें और उनके पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें क्योंकि छात्र एक सामाजिक प्राणी भी है .वहीं कार्यक्रम में इतिहास विभाग की शिक्षिका प्रोफेसर चरणजीत बजाज ने दोनों बालकों की शहादत को महत्वपूर्ण रेखांकित किया और उनकी जीवनी के अंश को प्रस्तुत करते हुए जानकारी रखी उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया कि इन बच्चों से शिक्षा लेकर ऐसे साहसी बनने की कोशिश की जानी चाहिए क्योंकि जीवन में सभी को अपने योगदान के लिए कोई ना कोई आवश्यक एवम महत्वपूर्ण कार्य मिलता है। आयोजन में डॉ अनुपम जैन, डॉ शांतनु पाल, ललित मोहन वर्मा, रामप्रसाद दुबे, डॉ प्रेम चंद्राकर समस्त स्टाफएवम बड़ी संख्या में छात्र छात्रायें उपस्थित थे।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में वीर बाल दिवस पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में वीर बाल दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिता में एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू वर्मा ने प्रथम, बीएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम वर्ष की छात्रा भूमिका साहू ने द्वितीय और बीएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम वर्ष की छात्रा पारुल जायसवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि दसवें सिक्ख गुरु गोविंद सिंह जी के पुत्रों साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत से हमें सत्य और धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को असत्य के सामने कभी भी न झुकने का संदेश दिया। डॉ. नृपेंद्र शर्मा ने अपने वक्तव्य में वीरता और साहस के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यदि आप वीर और साहसी बनेंगे तो न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे, बल्कि दूसरों की सहायता भी कर पाएंगे। मनोबल बनाए रखना और किसी भी कठिनाई का सामना करना ही सच्ची वीरता है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी बलवंत खन्ना ने कहा कि किसी कार्य में पारंगत होना जितना जरूरी है, उससे ज्यादा बिगड़ी स्थिति को सुधारना है। यानी जीवन में कमियों को दूर करने का कौशल बहुत जरूरी है। इस मौके पर खन्ना ने अपनी पुस्तक है तो है शिक्षकों और विद्यार्थियों को भेंट की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मार्च 2025 माह में छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन करेगा निःशुल्क सामूहिक कन्या विवाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भगवान श्री रामचंद्र के 35वीं पीढ़ी में जन्मे श्री अग्रसेन के वंशज अपने आराध्य श्री राम से मिलने श्री अग्रसेन अयोध्या तीर्थ यात्रा स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन से 22 मार्च को माता बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ से अयोध्या के लिए रवाना होंगे। इससे पहले छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के द्वारा होटल एंट्री प्वाइंट में 1 मार्च को निर्धन कन्याओं के लिए निःशुल्क सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन किया है। प्रत्येक गांव शहर में एम्बुलेंस एवं शव वाहन हो इसके लिए संगठन के द्वारा 50 प्रतिशत की राशि स्थानीय अग्रवाल समाज को देगा। यह बातें छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के नव निर्वाचित अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल ने अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान समाज के लोगों को दी।

उन्होंने बताया कि समाज के द्वारा श्री अग्रसेन ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण योजना के माध्यम से उच्च प्रतिभाशाली छात्रों को पढ़ाई के लिए 200000 तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। वहीं 1 मार्च 2025 को सनातन धर्म की निर्धन कन्याओं के निःशुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन राजधानी रायपुर के होटल एंट्री प्वाइंट में किया जा रहा है जहां घर गृहस्ती के उपयोग में आने वाली अनेक सामग्री भी उन्हें उपहार स्वरुप दिया जाएगा। 22 मार्च से 27 मार्च तक 1100 भक्तों को अग्रसेन अयोध्या तीर्थ यात्रा का दर्शन ट्रेन के माध्यम से करवाया जाएगा जहां वे अयोध्या से, बनारस, प्रयागराज,विन्ध्वासिनी देवी, हनुमान गढ़ी के दर्शन करेंगे।

प्रचार प्रसार प्रमुख ज्योति अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक गांव व शहर में एम्बुलेंस एवं शव वाहन हो इसके लिए छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन 50 प्रतिशत राशि स्थानीय अग्रवाल समाज को देगा और अग्रवाल समाज स्वयं का 50 प्रतिशत शामिल कर उपलब्ध कराएगा ताकि इस सुविधा का लाभ आम जनता को मिल सकें। कर अपने शहर के स्थानीय जनों को इस सुविधा का लाभ पहुंचा सकता है। श्री अग्रसेन की मूर्ति कृष्ण हुंडई परिवार कोरबा के द्वारा प्रांतीय अग्रवाल संगठन के माध्यम से निशुल्क प्रदान की जाएगी ताकि वे अपने अपने शहर के भवन, चौराहे और घर में लगा सकें। इस अवसर पर प्रांतीय चेयरमैन अशोक मोदी, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील रामदास, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल (राजू), प्रांतीय महामंत्री संजय अग्रवाल, प्रांतीय संगठन मंत्री अजय खेतान, प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ मनोज अग्रवाल, प्रांतीय महिला अध्यक्षा गंगा अग्रवाल, प्रचार प्रसार प्रमुख ज्योति अग्रवाल, रायपुर जिला अध्यक्ष हरिकेश पालीवाल, रायपुर जिला महा मंत्री गोविंद अग्रवाल, रायपुर जिला कोषाध्यक्ष अरुण अग्रवाल, रघुवीर अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

आरडीए की संपति विक्रय हुई ऑनलाईन

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण की संपत्तियां अब घर बैठे ही खरीदी जा सकेगी। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने प्राधिकरण की ऑनलाईन संपत्ति विक्रय की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। इस अवसर पर चौधरी ने कहा कि प्राधिकरण की यह एक अच्छी पहल है इसका फायदा आम लोगों को मिलेगा ।

इससे संपत्ति के व्ययन प्रकिया में पारदर्शिता आएगी। इस कार्यक्रम में आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौरभ कुमार भी उपस्थित थे।

संपत्ति ऑन लाईन विक्रय सॉफ्टवेयर के बारे में रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि ऑन लाईन प्रक्रिया के माध्यम से रायपुर विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में उपलब्ध संपत्ति खरीदने के इच्छुक भारतीय नागरिक वेबसाइट के माध्यम से योजनावार, कैटेगरी (प्लॉट, फ्लैट आदि विभिन्न प्रयोजन) में उपलब्ध संपत्ति की खोज कर ऑनलाईन ही राशि का भुगतान कर क्रय कर सकेंगे । उन्होंने बताया कि इससे नागरिक प्रापर्टी ब्रोकर और एजेन्टो के धोखें और परेशानियो से बच सकेगें।

ऑनलाईन प्रक्रिया से संपत्ति विक्रय की प्रीमीयम राशि, जलकर और अन्य भुगतान किया जा सकेगा। ऑन लाईन संपत्ति विक्रय की इस प्रक्रिया को लोगों को बार बार प्राधिकरण कार्यालय में आने की परेशानी नहीं होगी और समय की भी बचत होगी। जैन ने आगे कहा कि ऑन लाईन संपत्ति खरीदने के लिए प्राधिकरण की वेबसाईट आरडीए सीजीस्टेट डॉट जीओवी डॉट इन (rda.cgstate..gov.in) का अवलोकन किया जा सकता है।

जैन ने कहा इस प्रक्रिया से प्राधिकरण प्रशासन में जवावदेही और दक्षता में वृध्दि होगी। छत्तीसगढ़ के आवास एवं पर्यावरण मंत्री ने ऑन लाईन संपत्ति विक्रय के शुभारंभ करते हुए रायपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों की सकरात्मक सोच के लिए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में प्राधिकरण की अतिरिक्त सीईओ श्रीमती शिम्मी नाहिद सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

वायु व ध्वनि प्रदूषण रोकने धूल मुक्त सड़कों के निर्माण व शहरी पौधारोपण पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महानगरों में बढ़ रहे वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के खतरों को देखते हुए रायपुर नगर निगम ने जमीनी स्तर पर ठोस पहल शुरू की है, इसके साथ ही नगरीय क्षेत्र में प्रदूषण के प्रभाव को निगमित करने जन जागरूकता अभियान की शुरूआत की जा रही है, हालांकि रायपुर शहर में वायु गुणवत्ता का स्तर मानक के करीब है और उच्च गुणवत्ता स्तर को बनाए रखने रायपुर नगर निगम ने पहले ही तैयारियां शुरू कर दी है। 15 वें वित्त आयोग के निर्देशानुसार शहरी क्षेत्र में प्रदूषण के कारकों की निगरानी शुरू की गई है एवं इसके तहत वायु गुणवत्ता को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर रायपुर नगरीय क्षेत्र में कई स्तरों पर कार्य शुरू किया गया है। धूल, मिट्टी जो वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित कर पेवर लगाकर धूल मुक्त किया जा रहा है। शहर के व्यस्ततम मार्ग लाखे नगर चौंक से सुंदर नगर मेन गेट तक और महादेव घाट मार्ग पर लगभग एक करोड़ रूपए की लागत से निर्माण एवं विकास कार्य अंतिम चरण में है। इस मार्ग पर पेवर लगाकर सुगम आवागमन व धूल मिट्टी से आम लोगों को राहत दिलाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी तरह रोड स्वीपिंग मशीन के माध्यम से मार्गों की सफाई का दायरा बढ़ाया जा रहा है। इसके तहत अब 66 किलोमीटर दायरा बढ़ाकर नए साल से अधिक दूरी तक मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन से सफाई की तैयारी नगर निगम ने की है। इस तरह अब शहर के भीतर 152 किलोमीटर में मशीनों के जरिए सफाई होगी। यह सफाई रात्रि में होगी और इसके लिए 5 रोड स्वीपिंग मशीन तैनात किए जाएंगे। निर्माण अवशेष से उड़ने वाले धूल के बारीक कण भी मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव प्रदर्शित करते हैं, इसके लिए नगर निगम ने जरवाय में निर्माण अवशेष को पुनः चक्रित कर उपयोगी निर्माण सामाग्री बनाने की प्रक्रिया भी निगम ने शुरू कर दी है।

आयुक्त श्री मिश्रा के अनुसार आम लोगों को भी वायु व ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों से अवगत कराने जागरूकता अभियान की शुरूआत हो रही है। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को रेड सिग्नल होने पर इंजन बंद करने, हॉर्न का न्यूनतम उपयोग करने, हरियाली बढ़ाने जैसे संदेश दिए जा रहे हैं। इन गतिविधियों में स्वयंसेवी संगठनों, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों, आवासीय कॉलोनियों की समितियों आदि का भी सहयोग लिया जा रहा है।

श्री मिश्रा ने आगे बताया कि वर्तमान में रायपुर शहर में वायु गुणवत्ता के मापन के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में उपकरण लगाए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक जहां देश की राजधानी नई दिल्ली में वायु गुणवत्ता 345 है, वहीं रायपुर में वायु का स्तर 47 मापा गया है जो कि मानक स्तर के करीब है किंतु औद्योगिक क्षेत्र सिलतरा में वायु गुणवत्ता का स्तर 79 है, जिस पर सुधार की दिशा में भी पहल की जाएगी। यद्यपि इस परिस्थिति में रायपुर में वायु गुणवत्ता संतोषप्रद है किन्तु मानकों के उच्चतम स्तर के अनुरूप यह गुणवत्ता बनाए रखने आम नागरिकों की भागीदारी ली जा रही है। शहर के भीतरी क्षेत्रों के सापेक्ष सिलतरा जैसे औद्योगिक क्षेत्र में वायु गुणवत्ता के स्तर में गिरावट दर्ज की गई है, इसे देखते हुए औद्योगिक क्षेत्र में संचालित संयंत्रों की निगरानी शुरू कर दी गई है और शीघ्र ही इस क्षेत्र में स्थापित संयंत्रों के प्रबंधन को वायु गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने प्रबंधन को अवगत कराया जा रहा है। ज्ञात हो कि वायु गुणवत्ता मापने हेतु 5 स्थलों पर मापन यंत्र स्थापित हैं, इसके अलावा प्रदूषण नियंत्रण एवं निवारण विभाग के समीर एप्प के माध्यम से वायु गुणवत्ता की 24 घंटे जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भावी पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करना सामूहिक जिम्मेदारी है, अतः उच्च मानक स्तर को बनाए रखने जिला प्रशासन, पर्यावरण संरक्षण विभाग व नगर निगम मिलकर कदम आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि स्वच्छता उत्तम पर्यावरण व ध्वनि प्रदूषण कम करने हेतु कार्य करने वाले उत्कृष्ट संस्थान व सहयोगियों को सम्मानित किया जाएगा।

खास खबर...

आयुक्त शर्मा ने किसानों को केसीसी कार्ड किया वितरित

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्य स्तरीय सहकार से समृद्धि कार्यक्रम के तहत नवीन गठित बहुउद्देश्यीय मतस्य एवं दुग्ध समितियो का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। इस दौरान सहकारिता विभाग के आयुक्त सह पंजीयक सहकारी संस्थाए कुलदीप शर्मा ने किसानों को रुपे केसीसी कार्ड वितरित किया। साथ ही इस क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं दुग्ध समितियों को नवीन एटीम कार्ड का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त डीपी टावरी, उपायुक्त एनके चंद्रवंशी, तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अपेक्षा व्यास उपस्थित थी।

सफाई, पेयजल, सड़क बत्ती के कार्यों को प्राथमिकता दें : अबिनाश मिश्रा

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में साप्ताहिक टीएल बैठक में कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए. आयुक्त ने सफाई, पेयजल, सड़क बत्ती से सम्बंधित कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने सभी प्रगतिरत विकास कार्यों में समयसीमा एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने जोन कमिश्नरों को प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग कर रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था को राजधानी के अनुरूप बनाने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों को पुख्ता तौर पर करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

स्वास्थ्य अधिकारी ने सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता के निर्देशानुसार नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही

द्वारा नगर निगम जोन क्रमांक 10 के जोन गैंग का एवं जोन क्रमांक 6 के वार्ड 59 के सफाई गैंग की स्वच्छता व्यवस्था औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें कर्मचारियों की संख्या अत्यंत कम पाई गई, जबकि पूर्व में भी नोटिस एवं समझाइश दी गयी है, उसके बावजूद भी कोई सुधार नहीं पाया गया। चूंकि सफाई एवं स्वच्छता का क्षेत्र संवेदनशील और आमजनों के स्वास्थ्य से जुड़ा क्षेत्र होता है, जिसमें इस प्रकार संख्या कम रहने से सफाई व्यवस्था लगातार प्रभावित न होने पाए, अतः उक्त ठेका निरस्त करने की नियमानुसार प्रक्रिया के तहत कार्यवाही करने के लिए नगर निगम जोन 10 एवं 6 के जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है ।

सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू, रायपुर समेत 6 जिलों में बनेंगे एग्जाम सेंटर

रायपुर। ऑल इंडिया सैनिक स्कूल्स एंट्रेंस एग्जामिनेशन 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 13 जनवरी की शाम 5 बजे तक आवेदन किए जा सकते हैं। इस परीक्षा के माध्यम से कक्षा छठवीं और नवमीं में प्रवेश दिए जाएंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से परीक्षा की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। देश के 89 सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिए यह परीक्षा हो रही है। इस परीक्षा के लिए देश के 190 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

33 स्कूलों में कक्षा छठवीं और नवमीं में प्रवेश दिए जाएंगे, जबकि 39 स्कूलों में नए स्कूलों में कक्षा छठवीं में एडमिशन होंगे। इसी तरह 17 नए स्कूलों में कक्षा नवमीं में एडमिशन दिए जाएंगे। परीक्षा शुल्क सामान्य, ओबीसी के लिए 800 रुपए और एससी व एसटी वर्ग के लिए 650 रुपए है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के 6 जिलों बिलासपुर, सरगुजा, बस्तर, कांकेर और रायगढ़ में एग्जाम सेंटर बनेंगे। परीक्षा को लेकर विस्तृत जानकारी वेबसाइट द्धह्लह्लश्चह्य-//द्न×ड्डद्वह्य.ठ्ठह्लड्ड.ड्डष्.द्बठ्ठ/द्बस्स्श्वश्व पर जारी की गई है।

सुबह-सुबह सूर्य नमस्कार करना सेहत के लिए होता है फायदेमंद, ऐसे डालें इसकी आदत

सुबह के समय सूर्य नमस्कार करना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल शरीर को ताजगी देता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सुबह के समय सूर्य नमस्कार करने की आदत डाल सकते हैं और इसके क्या-क्या फायदे होते हैं। यह लेख सभी उम्र के लोगों के लिए उपयोगी होगा, खासकर उन लोगों के लिए, जो अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव लाना चाहते हैं।

सही तरीके से शुरुआत करें

सूर्य नमस्कार की शुरुआत करने से पहले अपने शरीर को हल्का गर्म कर लें। इससे मांसपेशियों में खिंचाव नहीं होगा और चोट लगने का खतरा कम रहेगा।शुरुआत में धीरे-धीरे यह एक्सरसाइज करें और हर आसन पर ध्यान दें। अगर आप पहली बार कर रहे हैं, तो किसी विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होगा, ताकि आप सही तरीके से इसे सीख सकें।इससे आपको सही तकनीक का ज्ञान होगा, जिससे अभ्यास अधिक प्रभावी होगा और शरीर का लचीलापन बढ़ेगी।

नियमितता बनाए रखें

सूर्य नमस्कार का फायदा तभी मिलता है, जब इसे नियमित रूप से किया जाए। इसे रोजाना एक ही समय पर करने की कोशिश करें, ताकि यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन सके।इससे आपके शरीर को इसकी आदत हो जाएगी और आप ज्यादा ऊर्जावान महसूस करेंगे। नियमित अभ्यास से न केवल आपका शरीर लचीला बनेगा, बल्कि मानसिक शांति भी मिलेगी।यह आदत आपको दिनभर तरोताजा और सक्रिय बनाए रखेगी, जिससे आपके काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी।

सांसों पर ध्यान दें

सूर्य नमस्कार करते समय सांसों पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। हर आसन के साथ धीरे-धीरे और सही तरीके से सांस लें और छोड़ें।इससे आपकी श्वसन प्रणाली मजबूत होगी और मानसिक शांति मिलेगी। गहरी सांस लेने से तनाव कम होता है और मन शांत रहता है, जिससे आप बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।यह प्रक्रिया शरीर को ऊर्जा देती है और आपको दिनभर तरोताजा महसूस करवाती है।

धीरे-धीरे अभ्यास का समय बढ़ाएं

शुरुआत में 5-10 मिनट तक सूर्य नमस्कार करें, ताकि आपका शरीर इस अभ्यास का आदी हो सके। धीरे-धीरे इसका समय बढ़ाएं और ध्यान दें कि आपका शरीर कैसे प्रतिक्रिया करता है।जैसे-जैसे आप इसे नियमित रूप से करते रहेंगे, आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी। इससे आपको बेहतर संतुलन और शारीरिक शक्ति मिलेगी।अधिक समय तक अभ्यास

करने से आप मानसिक रूप से भी शांत महसूस करेंगे और दिनभर ऊर्जावान रहेंगे। यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

खुद को प्रेरित रखें

खुद को प्रेरित रखने के लिए अपने अनुभवों को लिखें और दोस्तों के साथ साझा करें, जो इस प्रक्रिया में आपकी मदद कर सकते हैं।इससे आपको नई दृष्टि मिलेगी और आप अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। सकारात्मक सोच बनाए रखें और अपनी प्रगति को मापने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्यों का निर्धारण करें।यह आदत आपको लंबे समय तक प्रेरित रखेगी और सूर्य नमस्कार का अभ्यास जारी रखने में मदद करेगी।

सूर्या और पूजा हेगड़े की अगली फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा, रेट्रो का टीजर भी आया सामने

सूर्या और निर्देशक कार्तिक सुब्बराज की बहुप्रतीक्षित फिल्म का आखिरकार नाम सामने आ गया है। इस फिल्म का नाम रेट्रो रखा गया है। इसके साथ ही निर्माताओं ने क्रिसमस के मौके पर एक रोमांचक टाइटल प्रोमो भी जारी किया। रेट्रो एक गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें पूजा हेगड़े भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी।

सूर्या ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर टाइटल टीजर का लिंक साझा करते हुए लिखा, सभी को मेरी क्रिसमसद्य रेट्रो 2025 की गर्मियों में आ रही है...जल्द मिलते हैं....। वहीं, पूजा हेगड़े ने भी फिल्म की झलक अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर की है।

दो मिनट और पांच सेकंड का यह टीजर सूर्या और पूजा हेगड़े के किरदार को बनारस के घाट के किनारे बैठे हुए दिखाता है। पूजा हलके गुलाबी रंग की साड़ी में हैं, जबकि सूर्या इसमें काले कुर्ते में नजर आ रहे हैं। पूजा उनके हाथ में एक पवित्र धागा बांधती हैं। सूर्या उनकी आंखों में देखकर तमिल में कहते हैं, मैं अपने गुस्से पर काबू पाऊंगा। मैं अपने पिता के साथ काम करना छोड़ दूंगा। हिंसा, गुंडागर्दी, लाठी-गोली—अब सब कुछ छोड़ दूंगा। मैं मुस्कुराने की कोशिश करूंगा और खुश रहने की कोशिश करूंगा। मेरे जीवन का उद्देश्य तुम्हारे शब्दों में प्रेम है। शुद्ध प्रेम। बस यही। मैं सब कुछ सीधे और ईमानदारी से कह रहा हूं। अब बताओ क्या हमें शादी कर लेनी चाहिए?

सूर्या को आखिरी बार कंगुवा फिल्म में देखा गया था। इस फिल्म में बॉबी देओल ने विलेन का रोल निभाया था। फिल्म को बड़े बजट में तैयार किया गया था। हालांकि, दर्शकों को यह फिल्म बिल्कुल भी पसंद नहीं आई थी। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही थी।

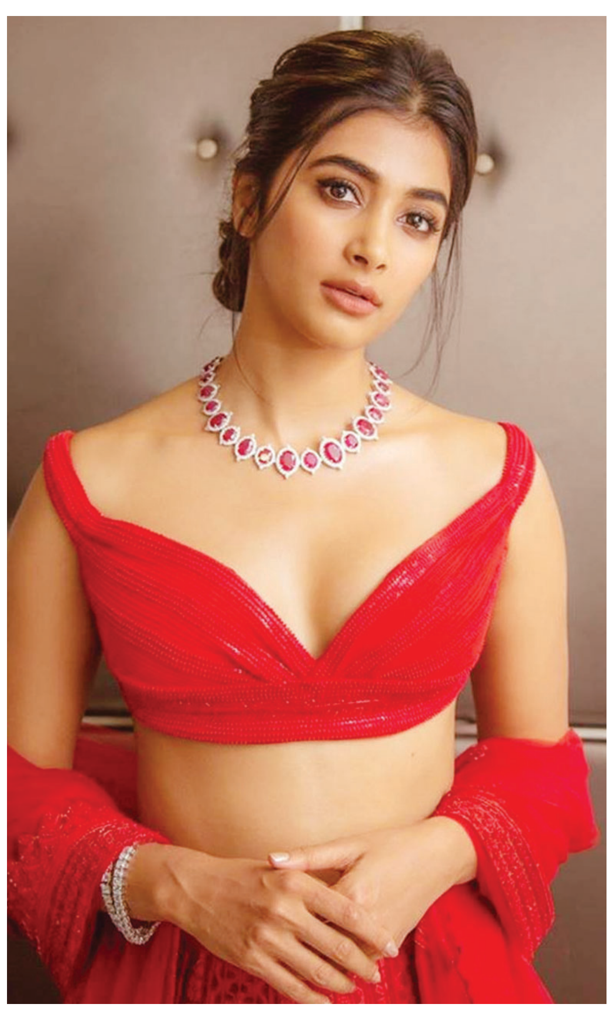

थाई स्लिट ड्रेस पहने श्रद्धा दास ने बिखेरा हुस्न का जलवा

साउथ एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका सेक्सी और हॉट अवतार देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।

अपनी एक्टिंग से ज्यादा फैशन स्टेटमेंट्स के कारण लाइमलाइट में रहने वाली एक्ट्रेस श्रद्धा दास लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट एंड सेक्सी अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने ब्लू कलर की थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों का हाई बन बनाकर और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।

श्रद्धा दास सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। श्रद्धा दास सोशल मीडिय पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। ये ही नहीं एक्ट्रेस का हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही बवाल मचाने लगता है।

अद्रिजा ने अनुपमा में ली एंट्री, अलीशा परवीन को किया रिप्लेस, निभाएंगी राही का रोल

अनुपमा में इन दिनों काफी फेरबदल दिख रहा है। शो में राही का रोल निभाने वाली एक्ट्रेस अलीशा परवीन को मेकर्स ने निकाल दिया। उनकी जगह मेकर्स ने एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय को कास्ट किया है।

अद्रिजा रॉय के साथ शूटिंग शुरू हो गई है। अद्रिजा को शिवम खजूरिया के अपोजिट रोल में देखा जाएगा। मेकर्स ने ऑफिशिय अनाउंसमेंट कर दी है।

अद्रिजा रॉय का जन्म कोलकाता में हुआ था और उन्होंने बंगाली सीरीज से ही टीवी डेब्यू किया था। वो 2016 में शो बेदिनी मोलुआर कोठा में नजर आई थी।

इस शो से उन्हें बहुत तारीफ मिली थी। उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया था। इसके बाद उन्होंने और भी बंगाली शो में काम किया।

वो दुर्गा दुर्गेश्वरी, पोटोल कुमार गाणवाला, जय काली कलकत्तेवाली, बिक्रम बेताल और मौउ एर बारी जैसे शो में नजर आई थीं।

2023 में अद्रिजा ने हिंदी टीवी इंडस्ट्री में एंट्री ली और खुद को प्रॉमिनेंट फिगर के तौर पर स्टैब्लिश किया। उन्होंने इमली में काम किया।

उन्होंने पॉपुलर शो कुंडली भाग्य में भी काम किया। इस शो में डॉक्टर पालकी खुराना का रोल प्ले किया था।

उन्होंने बंगाली फिल्म परिणीता और गोल्पेर मायाजाल में भी काम किया है। अब उन्हें अनुपमा में देखा जाएगा। अद्रिजा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं।

डकैत में मृणाल ठाकुर ने श्रुति हासन को किया रिप्लेस

फिल्म के नए पोस्टर में अदिवि शेष के साथ एक्शन मोड में आईं नजर

टॉलीवुड अभिनेता आदिवि शेष का आज जन्मदिन हैं। ऐसे में निर्माताओं ने फिल्म डकैत का पोस्टर जारी किया है। उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक डकैत है, जिसका निर्देशन शैनियल देव कर रहे हैं। यह एक प्रेम कहानी है। निर्माताओं ने फिल्म डकैत का पोस्टर जारी किया, जिसमें श्रुति हासन की जगह मृणाल ठाकुर नजर आईं।

निर्माताओं ने मृणाल के दो पोस्टर जारी किए हैं। एक पोस्टर में, आदिवि शेष सीरियस दिखाई दे रहें हैं, जबकि मृणाल उन्हें दुख से देखती नजर आ रही हैं दूसरे पोस्टर में मृणाल हाथ में बंदूक लिए गुस्से में दिखाई दे रही हैं। दोनों ही स्टार्स स्टाइलिश तरीके से कार में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। डकैत के दोनों पोस्टर काफी शानदार हैं।

यह फिल्म दो पूर्व प्रेमियों की कहानी है, जिन्हें कई साहसिक डकैतियों के लिए फिर से एकजुट होने के

लिए मजबूर किया जाता है, जो आखिर में उनके जीवन की दिशा बदल देती है। फिल्म का निर्माण

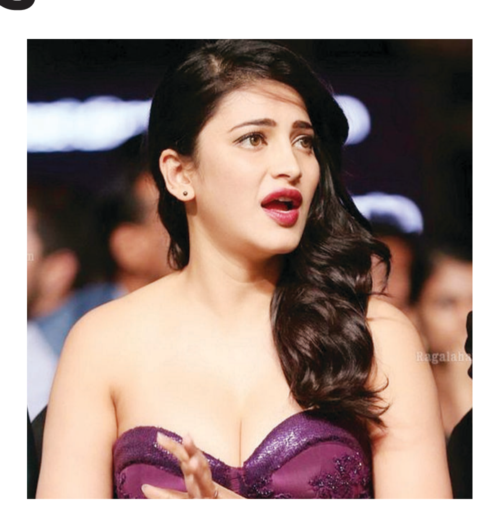

सुप्रिया यारलागड्डा ने किया है, सह-निर्माता सुनील नारंग हैं और अन्नपूर्णा स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म की शूटिंग हिंदी और तेलुगु में एक साथ की जा रही है, जिसकी कहानी और पटकथा अदिवी शेष और शैनियल देव ने मिलकर तैयार की है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में हो रही है। इसके बाद महाराष्ट्र में एक और शेड्यूल की शूटिंग होनी बाकी है।

फिल्म डकैत में पहले श्रुति हासन को लिया गया था। लेकिन आज पोस्टर रिलीज के बाद यह साफ हो गया है कि इस फिल्म में श्रुति की जगह मृणाल ने ले ली है। यह फिल्म एक गुस्सैल अपराधी के सफर पर आधारित है, जो अपनी पूर्व प्रेमिका से धोखा खाने के बाद उससे बदला लेने का प्लान बनाता है। डकैत में मृणाल का एक ऐसा रूप दिखाई देगा, जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा।

फिल्म के बारे में बात करते हुए मृणाल ने कहा, डकैत की कहानी अपने सार में सच्ची है, देहाती कहानी कहने का एक बेहतरीन तरीका, जो अदिवी और शेनिल देव दोनों के विचारों से और भी बेहतर हो गया है। मैं जिस किरदार को फिल्म में निभाने जा रही हूं, वह मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका देगा, जो मैंने एक अभिनेता के तौर पर पहले कभी नहीं निभाया है। मैं शेनिल द्वारा कल्पना की गई दुनिया में गहराई से उतरने का इंतजार नहीं कर सकती।

चाय पीने के शौकीन हो जाएं सावधान, ज्यादा पीने से शरीर में होते ये नुकसान

सर्दियों में चाय की चुस्की लेना भला किसे पसंद नहीं होता है। गर्मियों में जो लोग चाय अवॉइड करते हैं, वे लोग भी सर्दियों में चाय पीना खूब पसंद करते हैं। भारत में अधिकांश लोगों को दूध वाली मीठी चाय पीना पसंद होता है। कई लोग तो पूरे दिन भर में 5-10 चाय तक पी जाते हैं। अगर आप भी इतनी चाय पीने के शौकीन हैं तो जरा सावधान हो जाइए। क्योंकि ज्यादा चाय पीने से कई तरह की स्वास्थ परेशानियां हो सकती हैं। खासतौर से गर्भवती महिलाओं को चाय पीने से बचना चाहिए, क्योंकि इसमें कैफीन होता है।

बढ़ सकती है दिल की धड़कन

जो लोग ज्यादा चाय पीते हैं उनकी दिल की धड़कन बढ़ सकती है। चाय में कैफीन मौजूद होता है, जो सीमित मात्रा में एनर्जी और मेडिटेशन करने में मदद करता है। लेकिन अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन अनिद्रा, बेचैनी और दिल की धड़कन बढ़ने का कारण बन सकता है।

पेट दर्द या एसिडिटी की समस्या

कभी भी खाली पेट चाय नहीं पीनी चाहिए। जो लोग खाली पेट चाय पीते हैं या बार-बार चाय पीने से पेट में एसिड बढ़ सकता है। जिससे पेट दर्द, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। कुछ मामलों में, यह अल्सर का कारण भी बन सकता है।

हो सकती है खून की कमी

जो लोग ज्यादा चाय पीते हैं उनमें खून की कमी हो सकती है। चाय में टैनिक एसिड पाया जाता है, जो शरीर में आयरन के अवशोषण को कम कर देता है। खासकर जो लोग पहले से एनीमिया यानी खून की कमी से जूझ रहे हैं, उनके लिए ज्यादा चाय पीना खतरनाक साबित हो सकता है।

चाय पीने का सही तरीका

विशेषज्ञों का मानना है कि दिन में 2-3 कप चाय पीना उचित है। इसके अलावा, चाय पीने का समय भी मायने रखता है। खाली पेट चाय पीने से बचें और खाने के तुरंत बाद चाय न पिएं।

सर्दियों के मौसम में परिवार के साथ करें...

छत्तीसगढ़ के शिमला "मैनपाट" की सैर

यहां ठहरना भी हो गया है आसान...

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

जशपुर। सर्दियों के मौसम में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाला मैनपाट बेहतर विकल्प हो सकता है। सर्दियों के मौसम में यहां की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। प्राकृतिक सम्पदा से भरपुर यह एक सुन्दर स्थान है। यहां सरभंजा जल प्रपात, स्पंजी जमीन, टाईगर प्वांइट, उल्टा पानी तथा मछली प्वांइट प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। मैनपाट में ही रिहन्द एवं मांड नदी का उद्गम स्थल भी है जो देखने में काफी आकर्षक लगता है।

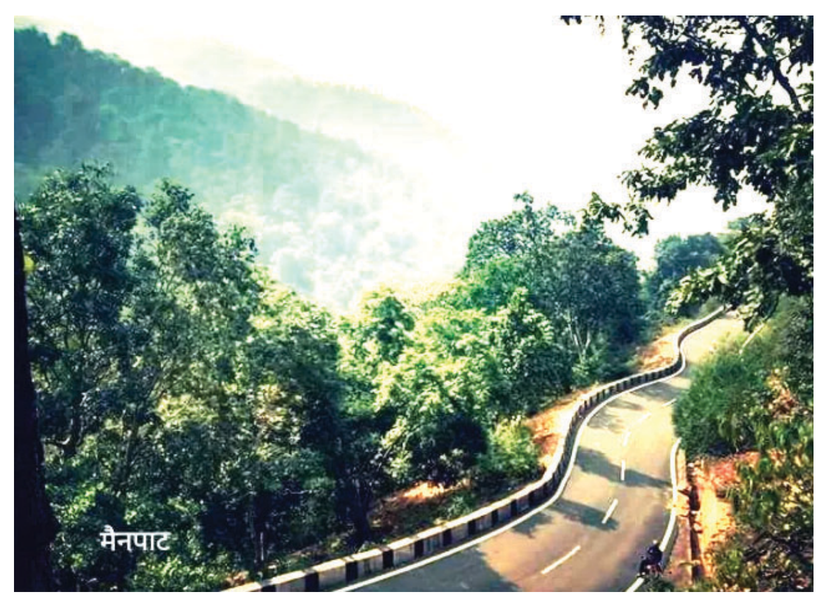

मैनपाट जिला मुख्यालय अम्बिकापुर से लगभग 75 किलोमीटर की दूरी पर है। इसे छत्तीसगढ का शिमला भी कहा जाता है। मैनपाट विन्ध पर्वत माला पर स्थित है जिसकी समुद्र सतह से ऊंचाई 3781 फीट है। इसकी लम्बाई 28 किलोमीटर और चौड़ाई 10 से 13 किलोमीटर है। अम्बिकापुर से मैंनपाट जाने के लिए दो रास्ते है। पहला रास्ता अम्बिकापुर-सीतापुर रोड से होकर जाता और दूसरा ग्राम दरिमा होते हुए मैनपाट तक जाता है।

मैनपाट को छत्तीसगढ का तिब्बत भी कहा जाता है। यहां तिब्बती लोगों का जीवन एवं बौध मंदिर आकर्षण का केन्द्र है। यह कालीन और पामेरियन कुत्तों के लिये भी प्रसिद्ध है। मैनपाट की अद्भुत छटा बड़ी संख्या में देशी विदेशी सैलानियों को आकर्षित करती है। इसके लिए यहां ठहरने की व्यवस्था एक बड़ी चुनौती थी। छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग ने इस कमी को पूरा करने का बीड़ा उठाया है। अब पास ही कमलेश्वरपुर में पर्यटकों को बड़ी सुविधा देने के साथ ही सीतापुरके सोनतराई में भी एक मोटल खोल दिया गया है।

करमा एथनिक रिसॉर्ट व सोनतराई मोटल रहने के लिए उपयुक्त

कमलेश्वरपुर का करमा एथनिक रिसॉर्ट और सीतापुर के सोनतराई मोटल का निर्माण ट्राइबल टूरिज्म सर्किट परियोजना के तहत किया गया। 'ट्रायबल टूरिज्म सर्किट' के तहत मैनपाट के कमलेश्वरपुर में 'ईको एथनिक टूरिस्ट डेस्टीनेशन' के रूप में 'करमा एथनिक रिसार्ट' विकसित किया गया है. यह रिसार्ट सरगुजा क्षेत्र के ग्रामीण परिवेश की थीम पर 21 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया है। राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए कमलेश्वरपुर में 46 एकड़ जमीन दी है। इस रिसॉर्ट में टूरिस्ट रिसेप्शन एवं सुविधा केंद्र, 20 कमरे (क्राफ्ट एवं हर्बल हाट ॠ आर्टिसन सेंटर), कैफेटेरिया, ओपन एम्फीथिएटर, सोवेनियर शाप, ट्रायबल इंटरप्रिटेशन सेंटर, ट्रायबल वर्कशाप सेंटर, 2 इलेक्ट्रिक व्हीकल (8 सीटर), इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन, सायकल ट्रैक समेत उच्च स्तरीय सुविधाएं स्थापित की गयी हैं जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेंगी। सीतापुर के सोनतराई में पर्यटन विभाग ने एक हाइवे मोटल का भी निर्माण किया है। इसमें पांच कमरे हैं। इसके अलावा डारमेटरी हाल, लान, कैफेटेरिया (डायनिंग हाल), स्टोर रूम और पार्किंग जैसी सुविधाओं का निर्माण किया गया है। पर्यटन विभाग का कहना है, यह हाइवे से गुजरने वाले यात्रियों को विश्राम के लिए विश्व स्तरीय सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू हुआ है।

पर्यटकों को रूकने के लिये बेहतर विकल्प

पर्यटन अधिकारियों का कहना है, इस योजना मैनपाट में पर्यटकों को रूकने के लिये बेहतर विकल्प मिल रहा है। पहले यहां आने वाले पर्यटक तंबुओं में रहते थे। अब उनके पास रिसार्ट और मोटल के अलावा ग्रामीण परिवेश में रुकने का अतिरिक्त विकल्प भी उपलब्ध होगा। यहां पर्यटक रुकेंगे तो स्थानीय लोगों को रोजगार एवं आय के अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध होंगे। स्थानीय लोगों एवं हस्तशिल्प कलाकारों के साथ पर्यटकों को हस्तशिल्प प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। तिब्बती संस्कृति से भी पर्यटक परिचित होंगे जिससे उनके द्वारा निर्मित सामान का विक्रय बढ़ेगा। स्थानीय हस्तशिल्प, वनउपज/हर्बल प्रोडक्ट का विक्रय के लिये सोवेनियर शॉप्स में स्थान उपलब्ध होगा। व्यावसायिक दृष्टि से कांफ्रेंस सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

छत्तीसगढ़ में बनेगा फार्मास्यूटिकल एवं मेडिकल डिवाइसेस हब : स्वास्थ्य मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में आज रायपुर के सिविल लाइन सर्किट हाउस में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक औषधि नियंत्रक, औषधि निरीक्षक एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदेश के 100 औषधि नियामकों की उपस्थिति रही।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा देश के 30 लाख करोड़ के मेडिकल व्यापार का आधार आप सब हैं। उन्होंने औषधि निरीक्षको के कार्यो के संबंध में कहा कि आप लोगों के द्वारा दवा एवं मेडिकल डिवाइसेस की गुणवत्ता का निर्धारण सुनिश्चित किया जाता है और आपके कार्यों पर विश्वास कर पूरा देश मेडिकल प्रोडक्ट्स का उपयोग कर रहा हैं। इस परिस्थितियों में आपको अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उस विश्वास को बनाये रखना है। श्री जायसवाल ने प्रशिक्षण की उपयोगिता तथा प्रशिक्षण के बाद उसके संवेदनशील क्रियान्वयन के महत्व को लेकर विस्तार से बात की। श्री जायसवाल ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यशाला छत्तीसगढ़ को फार्मास्यूटिकल एवं मेडिकल डिवाइस हब के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभायेगी।

इस मौके पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य एवं औषधि विभाग के नियंत्रक श्री चंदन कुमार ने कहा कि औषधि एवं मेडिकल डिवाइसेस के व्यापार में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने भारत के संबंध में बात करते हुए कहा कि पूरे विश्व में ऐसा कोई देश नहीं है जहां पर भारतीय दवा अथवा मेडिकल डिवाइसेस की आपूर्ति नहीं की जाती। चंदन कुमार ने खाद्य नियंत्रको और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की भूमिका के बारे में बात करते हुए कहा कि आपके अच्छे कार्यों की वजह से ही लोगों को सुविधा मिल पाती है और उन्हें बेहतर मेडिकल संसाधन उपलब्ध हो पाते हैं।

प्रशिक्षण कार्यशाला में खाद्य एवं औषधि प्रशासन के राज्य नियंत्रण प्राधिकारी श्री बंसत कुमार कौशिक ने कार्यशाला में होने वाले प्रशिक्षण के विषय में प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं विस्तृत तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई। प्रशिक्षण कार्यशाला का आरंभ बिहार राज्य के औषधि नियंत्रण अधिकारी डॉ. अमल कुमार के व्याख्यान से प्रारंभ हुआ जिसमें उनके द्वारा विस्तृत जानकारी के साथ ही अपने अनुभव को कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों के साथ साझा किया गया। कार्यशाला में हरियाणा के प्रबंधक-क्वालिटी एवं रेगुलेटरी एक्सपर्ट डॉ. श्रीकांत नामा द्वारा मेडिकल डिवाईस रूल्स 2017 के विषय में आवश्यक एवं महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में ब्लड सेंटर (ब्लड बैंक) के उत्थान, प्रोत्साहन एवं सफल संचालन से संबंधित नियम के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी।

मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदानी हमेशा रहेंगे प्रेरणा स्रोतः टंकराम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा गुरुवार को बलौदाबाजार के पण्डित चक्रपाणि शुक्ल स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय बलौदाबाजार में आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के बलिदान को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह ने धर्म और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मातृभूमि और धर्म रक्षा के लिए उनकी शहादत अमर रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2022 से शुरू किए गए वीर बाल दिवस को ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह दिवस हमें अपने कर्तव्यों और समर्पण की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के जीवन पर आधारित चलचित्र का प्रदर्शन भी किया गया, ताकि बच्चे उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अच्छे मूल्य अपनाएं। नगर पालिका अध्यक्ष श्री चित्तावर जायसवाल एवं पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए वीर बाल दिवस को प्रेरणादायक बताया।

कलेक्टर ने किसानों से उनके खेतों में पहुंचकर की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर चन्द्रवाल जिले में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के उपायों के अंतर्गत जिले के किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के बदले अन्य फसलों के पैदावार के लिए प्रोत्साहित करने आज किसानों से उनके खेतों में पहुँचकर उनसे मुलाकात की। इसके अंतर्गत चन्द्रवाल आज जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम मटिया में पहुँचकर किसानों द्वारा अपने खेतों में लगाए गए रबी फसलों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम मटिया से भेड़िया नवागांव तक किसानों के खेतों में पैदल चलकर रबी फसलों का मुआयना किया। श्री चन्द्रवाल किसानों द्वारा अपने खेतों में लगाए गए ग्रीष्मकालीन धान के बदले चना, गेहूँ, सरसों, लाखड़ी आदि फसल को देखकर बहुत ही प्रसन्नचित हुए।

उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को ग्राम मटिया एवं आसपास के गांवों में चना एवं गेहूँ आदि फसलों का क्षेत्राच्छादन बढ़ाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने किसानों को इन फसलों का अधिक से अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित करने तथा बिक्री आदि की भी समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिससे किसानों को अपने उत्पाद का वाजिब दाम मिल सके। इस दौरान कृषि विभाग के उप संचालक जीएस धूर्वे, सहायक संचालक एस एन ताम्रकार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

खास खबर

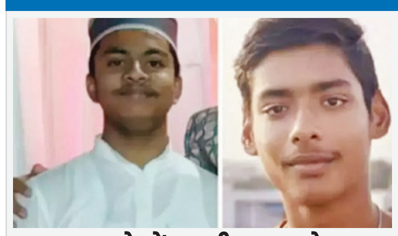

सड़क हादसे में स्कूटी सवार दो नाबालिक दोस्तों की मौत

जगदलपुर। जिले में घूमने निकले दो दोस्त को तेज रफ़्तार कार ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में स्कूटी सवार दो नाबालिक दोस्तों की मौत हो गई। घटना कोड़ेनार थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर निवासी 16 वर्षीय अमन चौधरी और 17 वर्षीय यूसुफ अंसारी अपने दोस्तों के साथ मिचनार घूमने जा रहे थे। सभी अलग-अलग वाहनों में सवार थे। वहीं, अमन और यूसुफभी स्कूटी में सवार थे।

मावलीभाठा के पास सभी पहुंचे थे तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें पीछे से ठोकर मार दी। हादसे में दोनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। आसपास के लोगों ने उनके मोबाइल से फोन कर बाकी दोस्तों को वापस बुलाया और पुलिस व एंबुलेंस को जानकारी दी। एंबुलेंस के पहुंचने तक दोनों ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद दोनों के शवों को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लाया गया। पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने दुर्घटनाकारित करने वाले कार का नंबर ट्रेस कर लिया है। साथ ही अपराध कायम कर कार चालक की तलाश की जा रही है।

बैटरी चोर गिरफ्तार

बिलासपुर। प्रार्थी थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 24 दिसंबर को अपने ट्रैक्ट्रर क्रमांक सीजी-10 डीए-0540 को रात्रि करीबन 8 बजे ग्राम झलमला के बाजार के पास अनूप साहू के घर के सामने खड़ी कर ड्राईवर सफर अली के साथ खाना खाने अपने अपने घर चले गये थे। 30 मिनट बाद करीबन 8.30 बजे मै ड्राईवर को उसके घर से लेकर ट्रैक्ट्रर के पास गये तो देखे कि ट्रेक्ट्रर में लगा बैटरी नहीं था। जिसे किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध धारा सदर पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मुखबिर द्वारा गांव के रघुबीर उर्फछोटे सिदार चोरी करना पता चलने पर उक्त आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर वह अपना जुर्म स्वीकार किया। जिसके मेमोरेण्डम पर से चोरी गये मशरूका उक्त बैट्री जप्त कर आरोपी का कृत्य अपराध धारा सदर का अपराध घटित करना सबूत पाये जाने से उसे मौके पर विधिवत गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तार शुदा आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल दाखिल किया गया है।

कानून व्यवस्था बनाने एसपी ने ली बैठक, नववर्ष उत्सव के संबंध में थाना प्रभारियों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। नए साल की पूर्व संध्या पर नववर्ष आगमन को लेकर कोरबा शहर में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से मनाये जाने के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में अपर कलेक्टर मनोज बंजारे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यूबीएस चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा नेहा वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री विमल पाठक, एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे, जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी एवं आबकारी, स्वास्थ्य, पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी सहित विभिन्न होटल, कैफे, रिसोर्ट, रेस्टोरेन्ट के संचालक उपस्थित थे।

बैठक में नव वर्ष की पूर्व संध्या शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। सभी होटल, रेस्टोरेंट, रिसोर्ट संचालकों को उक्त दिवस पर किसी प्रकार की सार्वजनिक आयोजन हेतु समय पूर्व सूचना स्थानीय थाने एवं एसडीएम को देकर आयोजन की अनुमति समय पूर्व प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार किसी भी सार्वजनिक आयोजन के लिए आयोजकों को पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था करने के लिए कहा गया, जिससे किसी प्रकार से यातायात बाधित न हो। सभी प्रकार के सार्वजनिक आयेजन में आयोजकों को सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य होगा, जिससे कार्यक्रम के दौरान असमाजिक तत्वों की पहचान सुनिश्चित की जा सकें। सभी सार्वजनिक आयोजनों में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की जाये एवं विद्युत प्रवाह के सुरक्षित रहने का प्रमाण पत्र सीएसईबी से प्राप्त करने के लिए कहा गया। सार्वजनिक आयोजनों में जनरेटर के माध्यम से बिजली की वैकल्पित आपूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही गई। हॉटल/बंद परिसर में होने वाले सार्वजनिक आयोजन में कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों को सूचीबद्ध करने के लिए पृथक से रजिस्टर संधारित कर आगुन्तकों की जानकारी अपडेट रखने हेतु निर्देशित किया गया। सार्वजनिक कार्यक्रमों में आयोजको को आवश्यतानुसार वालेन्टियर्स की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। साथ ही किसी भी स्थिति में किसी वालेन्टियर्स या बाउर्न्स के द्वारा किसी व्यक्ति से अभद्र व्यवहार न किया जाये, इस पर विशेष ध्यान रखने के लिए कहा गया।

सार्वजनिक आयोजनो में समय का विशेष ध्यान रखते हुए सभी कार्यक्रम आवश्यक रूप से 12.15 बजे तक समाप्त करने के निर्देश दिए गए। अनुज्ञा प्राप्त बीयर बार को निर्धारित अवधि के भीतर आवश्यक रूप से बंद करने हेतु निर्देशित किया गया। किसी भी सार्वजनिक स्थल में बिना अनुज्ञा शराब / बीयर बिल्कुल नहीं परोसी जाएगी साथ ही ऐसे स्थलों पर यह सुनिश्चित किया जाये कि अव्यस्क बच्चों को शराब / बीयर नही परोसने हेतु निर्देश दिए गए है। आयोजन स्थल में सर्वोच्च न्यायालय के ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग निर्धारित डेसिबल में किया जाये तथा रात्रि में 10 बजे से प्रात: 06 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नही किया जाएगा। सभी हॉटल ढाबा लॉज के प्रबंधक नव वर्ष के आयोजक गण किसी भी आपात परिस्थिति से निपटने के लिए अनिवार्य रूप से अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। साथ ही बंद परिसर में पृथक पृथक प्रवेश एवं निर्जन द्वार चिन्हित करने के निर्देश दिए गए है।

युवक का शव मिलने से फैली सनसनी सिर पर लगी थी चोट, हत्या व हादसा!

कोरबा (ए.)। मोबाइल दुकान बंद कर निकले युवक का शुक्रवार सुबह शव मिला है। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे। उसका शव लाश सिल्ली मोड़, पाली के पास मिला। पाली क्षेत्र के निरधी गांव में रहने वाला 30 वर्षीय विनय कश्यप का रतनपुर हाई स्कूल चौक में ए वी मोबाइल नाम से दुकान है। वह अपने पार्टनर के साथ यह दुकान संचालित करता था और रोज मोटरसाइकिल से आना जाना करता था।

हर दिन की तरह गुरुवार रात भी करीब 9:30 बजे दुकान बंद करने के बाद विनय अपने गांव निरधी के लिए निकला, लेकिन रात 10 बजे तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो उसके पिता चंद्रप्रकाश कश्यप ने उसे फोन लगाया तो उसका फोन स्विच ऑफ बताने लगा। इसके बाद उन्होंने उसके दोस्तों और पार्टनर को फोन लगाकर उसके बारे में पूछा। सभी ने विनय कश्यप को फोन लगाया तो उसका फोन स्विच ऑफ बताने लगा। इन लोगों ने रात भर उसकी तलाश की लेकिन विनय का कुछ पता नहीं चला।

शुक्रवार सुबह लोगों ने सिल्ली मोड़ के पास उसका शव देखा, उसके सिर पर चोट लगी हुई थी। पास ही में उसका मोबाइल क्षतिग्रस्त अवस्था में पाया गया। विनय कश्यप के शव के पास उसकी बाइक पड़ी हुई थी। उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि 2 साल पहले उसका गांव में ही किसी के साथ झगड़ा हुआ था। वर्तमान में ऐसा कोई विवाद नहीं था। विनय कश्यप की मौत कैसे हुई, क्या यह दुर्घटना है या फिर उसकी हत्या की गई है, पुलिस इसका पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पांच पहले हुए हत्या के मामले में चरणदास हुआ गिरफ्तार

कोरबा (ए.)। पांच माह पहले ईगो हार्ट होने पर सुलभ शौचालय के केयरटेकर प्रमोद कुमार सिंह की हत्या के मामले में कोरबा पुलिस ने आरोपी चरणदास महंत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार सिंह (49), निवासी ग्राम बरियारपुर, वैशाली (बिहार), कोरबा के टीपी नगर स्थित सुलभ शौचालय में केयरटेकर के रूप में कार्यरत था और वहीं रहते था। 26 जुलाई 2024 की रात उनकी गला घोंटकर और मारपीट कर हत्या कर दी गई थी। घटना की रिपोर्ट प्रमोद के रिश्तेदार संजय कुमार सिंह ने पुलिस चौकी सीएसईबी में दर्ज कराई। पुलिस ने मर्ग और हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह यादव और उनकी टीम ने आरोपी चरणदास महंत को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ में हत्या करना स्वीकार कर लिया और उसके निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त गमछा भी बरामद किया गया। जहां न्यायालय में पेश करने के बाद उएसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

लक्की ड्रॉ निकलने का लालच और प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर की ठगी, यूपी से गिरफ्तार हुआ आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मोबाइल नंबर में लक्की ड्रॉ निकलने का लालच और प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर 1 लाख 96 हजार 700 रुपए की ठगी करने वाले आरोपी राधाकृष्णा यादव उर्फ राधे को उत्तरप्रदेश के झांसी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 मई 2024 को खैरागढ़ जिले के ग्राम मड़ौदा निवासी किरण साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसके मोबाइल नंबर पर अज्ञात मोबाइल धारक द्वारा आपका नंबर लक्की ड्रा में सलेक्ट हुआ है और 10 लाख रुपए का लॉटरी लगा है, का झांसा देकर फाईल चार्ज एवं अन्य चार्ज के नाम से एक लाख 96 हजार 700 रुपए छल पूर्वक जमा कराने की रिपोर्ट पर खैरागढ़ थाना में धारा-420 भादवि 66 डीआईटी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मुखबिर से आरोपी के झांसी में होने की संभावना पर खैरागढ़ थाना क्षेत्र के चौकी जालबांधा एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम तैयार कर झांसी रवाना किया गया, जहां टीम द्वारा संदेही राधाकृष्णा यादव उर्फ राधे (23) थाना ईरच जिला झांसी उत्तरप्रदेश से पूछताछ पर बताया कि प्रार्थी को स्वयं को केवीसी हेड ऑफिस न्यू दिल्ली का अधिकारी एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मैनेजर बनकर घटना दिनांक को फोन कर उसका 10 लाख का लाटरी लगने का लालच देकर प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर एक लाख 96 हजार 700 रुपए छलपूर्वक जमा करा लिया था। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल जब्त किया गया। आरोपी राधाकृष्णा यादव द्वारा प्रकरण में धारा 419, 468, 471, 201 भादवि का भी अपराध में घटित करना पाए जाने से प्रकरण में धारा जोड़ी गई। विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी के विरूद्ध विधिवत कार्रवाई कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

केयर टेकर की हत्या की गुत्थी 5 माह बाद सुलझी

मृतक प्रमोद सिंह की हत्यारा गिरफ्तार, ईगो हर्ट होने से किया था कत्ल

कोरबा (ए.)। मृतक प्रमोद कुमार सिंह पिता गजेन्दर सिंह उम्र 49 साल, ग्राम बरियारपुर थाना राजापाकड़ जिला वैशाली (बिहार) कोरबा के टीपी नगर में आर. बी. पेट्रोल पम्प के सामने स्थित सुलभ शौचालय में केयर टेकर का काम करता था एवं वहीं पर रहता था। घटना 26 जुलाई 2024 के दरम्यानी रात्रि में किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा प्रमोद कुमार सिंह की गला घोटकर एवं मारपीट कर हत्या कर दिया गया था। मामले में प्रार्थी संजय कुमार सिंह पिता स्व. सत्यनारायण सिंह उम्र 49 साल, एम.आई.जी. 45 शिवाजी नगर थाना सिविल लाईन रामपुर जिला कोरबा की रिपोर्ट पर पुलिस चैकी सीएसईबी जिला कोरबा में मर्ग कमांक 56/24 धारा 194 बी.एन.एस.एस. एवं अपराध कमांक 454/2024 धारा 103 (1) बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। हालात से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

मामले में घटना स्थल का निरीक्षण फॉरेन्सिक टीम एफ एस एल बिलासपुर, डॉग स्क्वॉड कोरबा, सायबर सेल टीम एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। मामले के निराकरण हेतु सिद्धार्थ तिवारी पुलिस अधीक्षक जिला कोरबा के निर्देशन, यू. बी. एस. चैहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला कोरबा के मार्गदर्शन तथा भूषण एक्का नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा जिला कोरबा के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सिविल लाईन रामपुर, चैकी प्रभारी सीएसईबी एवं प्रभारी सायबर सेल कोरबा को अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर वैधानिक कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश प्राप्त हुआ था।

प्रकरण के अज्ञात आरोपी की पतासाजी के दौरान मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में उप निरीक्षक जितेन्द्र सिंह यादव चैकी प्रभारी सीएसईबी कोरबा द्वारा अपने अधिनस्थ स्टाफके सहयोग से आरोपी चरणदास महंत पिता बिरजूदास महंत उम्र 35 साल ग्राम कुरियारी थाना शिवरीनारायण जिला जांजगीर- चाम्पा हाल मुकाम टीपी नगर (कोई निश्चित पता नही) से पूछताछ कर धारा सदर का जुर्म घटित करना स्वीकार करने पर आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 गमछा जप्त कर गुरुवार को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

युवक की संदिग्ध मौत, ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई

कोरबा। एक युवक की संदिग्ध मौत हुई है। ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। मौके पर पहुंची 112 व पाली पुलिस की टीम जांच में जुटी है। मृतक विनय कश्यप पिता चंद्र कुमार कश्यप ग्राम निरधी थाना पाली कोरबा का निवासी था। प्रथम दृष्टया हत्या कर एक्सीडेंट का रूप दिखाने का प्रयास किया गया है, ऐसा घटनास्थल को देखकर प्रतीत होता है। बाईक के साथ जिस तरह से शव पड़ा मिला है जो चोट मिले हैं वह मामले को पूरा संदिग्ध बना रहे हैं।

बारसूर के इंद्रावती नदी में डूबे नाबालिग का दूसरे दिन भी नहीं मिला सुराग

दंतेवाड़ा। बारसूर थाना क्षेत्र अंर्तगत इंद्रावती नदी के सातधार में गुरूवार को डूबे नाबालिग यश कुमार साहू 13 वर्ष निवासी धमतरी का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। आज जगदलपुर से एसडीआरएफकी टीम को बुलाया गया है, जो दंतेवाड़ा की टीम के साथ मिलकर खोजबीन में जुटी हुई है। एएसपी आरके. बर्मन ने बताया कि तलाश जारी है, गोताखोर लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नाबालिग यश कुमार साहू गुरुवार 26 दिसंबर की सुबह दोस्तों के साथ करीब 7 बजे धमतरी से बारसूर पहुंचा था। वहीं सातधार जाने वाले मार्ग पर लगे नाका को इन्होंने स्वयं खोलकर जल प्रपात की तरफ चले गए थे। जहां सभी नहाने के लिए पानी मे उतरे, जिसके बाद नाबालिग एका-एक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। जिसके बाद उसके साथ आए लोग पास में ही स्थित सीआरपीएफ195 बटालियन के कैंप पहुंचकर डूबने की जानकारी दी गई। सूचन पर सीआरपीएफऔर पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर गुरुवार को दिनभर उसकी खोजबीन करती रही। पिछले लगभग 30 घंटे से खोजबीन के बाद कोई सुराग नहीं मिलने से शुक्रवार को जगदलपुर से एसडीआरएफकी टीम को बुलाया गया है। जिस जगह हादसा हुआ है, अब उस जगह किसी और को जाने नहीं दिया जा रहा है।

स्कूटी सवार युवकों को मारी टक्कर 2 की हुई मौत

जगदलपुर। थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम मिचनार के पास दो युवकों अमन और याकूब निवासी जगदलपुर को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी लगते ही परिजन अस्पताल पंहुच गये हैं। जगदलपुर से 8-9 युवक अपनी-अपनी बाईक से गुरूवार को लोहंडीगुड़ा स्थित मिचनार घूमने के लिए निकले थे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं बनश्री देवघरिया पुत्री स्वर्गीय बिल्लोदक देवघरिया, निवासी एसएसक्यू 19, वार्ड नं. 11, एसीसी कॉलोनी, जामुल, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490024 ने ये शपथ करती हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम, बनश्री मुखर्जी पति जय मुखोपाध्याय रख ली हूं।

अत: आज से मुझे सभी शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम बनश्री मुखर्जी पति जय मुखोपाध्याय से जाना पहचाना जावे।

बनश्री मुखर्जी
एसएसक्यू 19, वार्ड नं. 11,
एसीसी कॉलोनी, जामुल, दुर्ग,
छत्तीसगढ़ 490024

NAME CHANGE

It is informed to the General Public that I, RAJA GUPTA S/o VISHAMBHAR NATH KESHARI, Resident of: Plot No. 5/4, Pt. Dindayal Puram, Near Mangal Bhawan, Khursipar, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490011 have changed my old name RAJA SAHAB GUPTA S/o VISHAMBHAR NATH KESHARI so that I should be recognized by my new name that is RAJA SAHAB GUPTA in all Government and other documents.

RAJA SAHAB GUPTA
Plot No. 5/4, Pt. Dindayal Puram, Near Mangal Bhawan, Khursipar, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490011

निजात अभियान के तहत 2 किलो गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेन्द सिंह के दिशा निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा निजात अभियान के तहत नशे के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही अवैध प्रतिबंधित मादक पदार्थो सहित प्रतिबंधित नशीली टेबलेट एवं सिरप तथा सूखे नशे के तस्करी, खरीदी-बिक्री, नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम रायपुर के नेतृत्व में 11 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। जिसमें उक्त टीम को फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी कार्यवाही करने सहित स्त्रोत के बारे में विस्तृत जानकारी लेकर उनके विरूद्ध विधिसंगत विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को सूचना प्राप्त हुई कि थाना तेलीबांधा क्षेत्रांतर्गत काशीराम नगर गार्डन के पास 1 महिला अपने पास गांजा रखी है तथा बिक्री की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रही है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये महिला को चिन्हांकित कर पकड़ा गया।

पूछताछ में महिला ने अपना नाम हीना उर्फबबली गोपाल निवासी तेलीबांधा रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर थैले में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा महिला आरोपी हीना उर्फबबली गोपाल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2.035 किलोग्राम गांजा जुमला कीमती लगभग 21,000/- रूपये जप्त कर महिला आरोपी के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 849/24 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

गांजा तस्करी करते तस्कर गिरफ्तार

सारंगढ़। कांग्रेस के पूर्व विधायक किस्मतलाल नंद के बड़े दामाद सूर्यकांत नाग को गांजा तस्करी मामले में सारंगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 20 दिसंबर की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक सफेद इनोवा को ओडिशा से छत्तीसगढ़ में आते हुए पकड़ा था। गाड़ी में 151 किलो गांजा बरामद किया गया था। इनोवा ड्राइवर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक गाड़ी किस्मतलाल के बेटे अंकित नंद के नाम पर है। अंकित ने पूछताछ में बताया कि सूर्यकांत उनकी गाड़ी लेकर गया था। थाना डोंगरीपाली और साइबर टीम ने सूर्यकांत के कॉल ट्रेकिंग पर डाले। वह अपने साथी क्षमानिधि साहू से संपर्क में था। क्षमानिधि को पुलिस ने पकड़ा तो उसने बताया कि वह सूर्यकांत की गाड़ी को बार्डर में पायलेटिंग करते हुए लाया था। इसके एवज में उसने 5 हजार रुपए दिए थे। सारंगढ़ एसपी पुष्कर शर्मा ने बताया कि सूर्यकांत पकड़े जाने के डर से लगातार लोकेशन बदल रहा था। गुरुवार को ओडिशा के बालंगीर में उसकी लोकेशन मिली। इस पर पुलिस ने उसे वहीं से गिरफ्तार कर लिया।

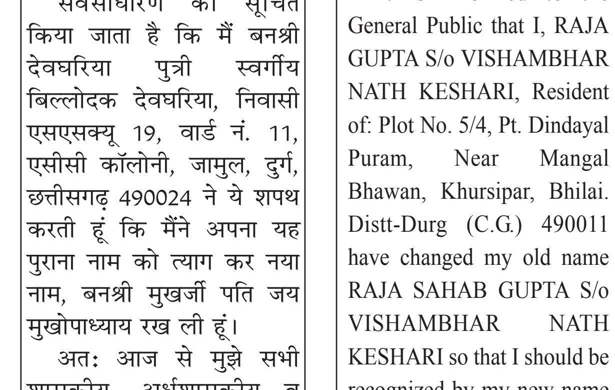

सीएम साय की बड़ी घोषणा

गुरु गोविंद सिंह के वीर साहिबजादों के अमर बलिदान की कहानी छत्तीसगढ़ के स्कूली पाठ्यक्रम में होगी शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा - साहिबजादों के बलिदान की कहानी युवा पीढ़ी को साहस के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरु गोविंद सिंह जी के वीर साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अमर बलिदान की कहानी अब छत्तीसगढ़ के स्कूली बच्चों को पढ़ाई जाएगी। वीर साहिबजादों के वीरता की यह कहानी देश के युवाओं को साहस के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बड़ी घोषणा की। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह और वीर साहिबजादों का पुण्य स्मरण कर कहा कि हमें उनकी शिक्षाओं को अपनाना चाहिए और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ना चाहिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वीर साहिबजादों के जीवनी पर आधारित एनिमेटेड फिल्म भी देखी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें राष्ट्र की रक्षा के लिए सिख गुरुओं के त्याग की महान सिख परंपरा की याद दिलाता है। हमें ऐसे महान वीर सपूतों की प्रेरक कहानियां अपने बच्चों और समाज को बतानी चाहिए। उन्होंने श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहेबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद दिया। श्री साय ने कहा कि भारत की प्रत्येक पीढ़ी गुरु गोविंद सिंह जी एवं उनके साहेबजादों के बलिदान को सदैव याद रखेगी।

देश के लिए जीना और देश के लिए जरुरत पड़ने पर अपने प्राणों की आहुति देने की प्रेरणा हमें वीर बाल दिवस से मिलती है। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस हमें राष्ट्र की एकता और अखंडता का भी स्मरण कराता है।

संपूर्ण भारत के लिए अनुकरणीय हैं साहेबजादे

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि समाज को तोड़ने वाली ताकतें हर दौर में सक्रिय रहती हैं। लेकिन गुरुगोविंद सिंह और उनके साहेबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जैसे वीर जिस धरती पर जन्म लेंगे उसकी ओर कोई आंख उठाकर भी नहीं देख सकता। उन्होंने कहा कि बाबा जोरावार सिंह जी और बाबा फतेह सिंह किसी एक धर्म या पंथ के लिए प्रेरणास्रोत नहीं हैं। वह संपूर्ण भारत के लिए अनुकरणीय हैं। श्री साय ने कहा कि भारत का चरित्र मूल रूप से सामाजिक समरसता का रहा है। हमारे देश में कट्टरता और उन्माद को कभी जगह नहीं मिली। हमारा प्रदेश छत्तीसगढ़ उसका सबसे अच्छा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हम छत्तीसगढ़ की स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। हमने विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया है। यह संकल्प सामाजिक समरसता से ही पूरा होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तो देशभर में अपनी सामाजिक समरसता, शांति और सौहार्द्र के लिए जाना जाता है। इसकी जड़ों को और गहरा करना होगा।

दुनिया के सबसे कम उम्र के बलिदानी

वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रेम शंकर सिदार ने कहा कि भारत एक धर्म प्राण देश है। जब देश मे अन्याय बढ़ता है तो यहां के महापुरुष रक्षा के लिए खड़े हो जाते हैं। बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी दुनिया के सबसे कम उम्र के बलिदानी हैं। वे मृत्यु के सामने भी धर्म पर अडिग रहे। उन्होंने कहा कि भारत की जीवनी शक्ति इसकी आत्मा है। देश के महापुरुषों से प्रेरणा मिलती है कि हमें देश को संभाल के रखना है। बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी को उनकी माता ने उनके बुजुर्गों के बलिदान की कहानी सुनाई थी। मृत्यु भी जीत है ये सन्देश इन बच्चों ने अपने बलिदान से दिया। उन्होंने कहा कि भारत के घर-घर में इन प्रसंगों की चर्चा होनी चाहिए ताकि हमारी नई पीढ़ी को इनसे प्रेरणा मिले। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक किरण देव, विधायक सुनील सोनी, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक मोतीलाल साहू, पूर्णेन्दु सक्सेना, पवन साय, परमिन्दर सिंह भाटिया, ज्ञानी बाज सिंह, भूपेश सवन्नी, सिख समाज के अनुयायी, प्रबुद्ध नागरिकगण और स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

गौरव दिवस महासम्मेलन में शामिल हुए सीएम साय, कहा-

देश को आजादी दिलाने में जनजातीय समाज के वीर सपूतों का अमूल्य योगदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। हमारा देश और समाज हमेशा प्रगतिशील सोच के साथ आगे बढ़े, समाज की नई पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की करे, उद्यमशीलता की तरफबढ़े, इसके लिए समाज को निरंतर जागरूक होकर युवाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा इसी एकजुटता पर बल देते हैं। हम सब एकजुट रहेंगे और माँ भारती की सेवा करने संकल्पित रहेंगे तो हमारा प्रदेश और देश मजबूत होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिले के विकासखण्ड बगीचा के ग्राम घुघरी में आयोजित छत्तीसगढ़ स्तरीय नागवशी समाज के महासम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय समाज के भगवान बिरसा मुंडा, गुण्डाधुर, रानी दुर्गावती, वीर नारायण जैसे वीर सपूतों ने अपनी वीरता से देश को आजादी दिलाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज की इन महान विभूतियों के गौरव को लोगों तक पहुंचाने एवं उनका मान बढ़ाने के लिए जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में गुम इन शहीदों के योगदान को सामने लाने के लिए नवा रायपुर में जनजातीय योद्धाओं को समर्पित स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ के आदिवासी जन नायकों द्वारा लड़े गए 13 महान संग्रामों का वर्णन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर घुघरी में सामाजिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख, खड़ा नाला में पुल निर्माण, ढ़ोड़की में व्यपवर्तन योजना के जीर्णोद्धार एवं बगीचा में एक करोड़ रुपये की लागत से मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने नागवंशी समाज की बहु प्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए घुघरी में उनकी देवभूमि को संरक्षित करने हेतु सामुदायिक वनाधिकार पट्टा प्रदान किया गया। इसके साथ ही मात्रात्मक त्रुटि के कारण वंचित रह गए 40 बच्चों को मुख्यमंत्री ने जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने नागवंशी समाज के आराध्य भगवान महादेव-पार्वती एवं नाग देव की पूजा कर प्रदेश की जनता के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके द्वारा ही जनजातीय कल्याण और उत्थान के लिए सर्वप्रथम आदिमजाति कल्याण विभाग का निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजातीय लोगों के उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों के कल्याण हेतु बिजली, पानी, राशन वितरण, आवास, स्वास्थ्य, आयुष्मान कार्ड निर्माण आदि का कार्य किया जा रहा है।

सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक पत्थलगांव गोमती साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार द्वारा प्रदेश के विकास को दुगुनी गति प्रदान की गई है। जनजातीय समाज के उत्थान के लिए हमारे जनजातीय समाज के मुख्यमंत्री द्वारा निरन्तर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, जिला पंचायत उपाध्यक्ष उपेंद्र यादव, जनप्रतिनिधि कृष्ण कुमार राय, नागवंशी समाज के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नालंदा परिसर में खुशहाल एक साल इवेंट

युवाओं ने लिया हिस्सा, सवालों के सही जवाब देने पर मिले आकर्षक उपहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती में उनके कविता संग्रह में से चुनिंदा कविताओं का राजधानी के युवाओं ने वाचन किया, छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया और हिंदी में पहली बार संयुक्त राष्ट्र संघ में दिए गए उनके भाषण पर भी अपने विचार प्रकट किए। यह अवसर था राजधानी रायपुर के नालंदा परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती के अवसर पर मनाए जा रहे सुशासन दिवस का।

जनसंपर्क विभाग की ओर से नालंदा परिसर में 'खुशहाल एक साल' इवेंट का आयोजन किया गया जिसमें नालंदा परिसर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा न केवल देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी की जीवन यात्रा, कविता संग्रह और विचारों से रूबरू हुए, बल्कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व मे राज्य सरकार की विगत एक वर्ष की उपलब्धियों और योजनाओं के प्रति भी जागरूक हुए। मनोरंजन और खेल ङ्क खेल में युवाओं को अपने प्रदेश के बारे में बहुत कुछ जानने का मौका मिला। सबके बीच अपने विचार व्यक्त करने से झिझकने वाले युवाओं ने भी हल्के फुलके वातावरण में संकोच करना बंद कर खुशी-खुशी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

युवाओं ने राज्य में संचालित महतारी वंदन योजना, नियद नेल्ला नार योजना, मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना, कृषक उन्नति योजना, पर्यटन, छत्तीसगढ़ की बोलियों, आभूषणों आदि के बारे में पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर देने में तत्परता दिखाई । छत्तीसगढ़ में मिलने वाले खनिज, प्रदेश की लोक कला, खान -पान, गौरवशाली इतिहास संबंधी प्रश्नों को भी विभिन्न गतिविधियों के बीच में पूछा गया और इस दौरान सही उत्तर देने वाले युवाओं को विभिन्न डिस्काउंट कूपन, बिहान के उत्पाद उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। डिस्काउंट वाउचर में नालंदा परिसर में स्थित लाइब्रेरी के मासिक शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट ने भी प्रतियोगी परीक्षाओं के एस्पिरेंट्स को खूब लुभाया । इससे उनका उत्साह और बढ़ गया और उन्होंने इवेंट की समाप्ति तक पूरे उमंग के साथ आयोजन में हिस्सा लिया । उल्लेखनीय है कि खुशहाल एक साल इवेंट का यह छठवाँ आयोजन था। इससे पहले भी रायपुर शहर के विभिन्न स्थलों में इवेंट आयोजित किया गया जिसमें युवाओं ने भरपूर रुचि और उत्साह के साथ आयोजन की सफलता में अपनी सहभागिता प्रदान की थी।

छत्तीसगढ़ के कण कण में बसी हुई है भगवान श्रीराम की स्मृतियां - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमारी सरकार लगातार लोगों की सुख-समृद्धि के लिए काम कर रही है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी से किसानों में समृद्धि आई है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर महीने 70 लाख माताओं-बहनों को एक हजार रुपए प्रति महीने की किश्त हम दे रहे हैं। देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा के लिए हम लोग मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना आरंभ करने जा रहे हैं। इस योजना के माध्यम से भी यात्रियों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम टिमरलगा में आयोजित पर्वतदान (अन्न) एवं अश्वमेध यज्ञ महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ग्राम टिमरलगा में पर्वतदान एवं अश्वमेध यज्ञ महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी बड़े धार्मिक आयोजन होते हैं, आसपास का पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर हो जाता है।छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। यह वो धरती है जहां भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकतम समय बिताया। छत्तीसगढ़ की पावन धरती में शिवरीनारायण में माँ शबरी ने प्रभु श्रीराम को जूठे बेर खिलाये थे। हमारी छत्तीसगढ़ की भूमि बहुत पवित्र भूमि है। हमारे यहां वाल्मीकि जी का आश्रम तुरतुरिया में है।वाल्मीकि आश्रम ही वह भूमि है जहां लव और कुश ने अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को पकड़ा था। छत्तीसगढ़ के कण कण में भगवान श्रीराम की स्मृतियां बसी हुई हैं। प्रभु श्रीराम की स्मृतियों को सहेजने के लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम प्रदेश की पांच शक्तिपीठों को जोड़ने के लिए भी हम कार्य कर रहे हैं। हम लोगों ने त्रिवेणी संगम की नगरी राजिम में भी कुंभ मेले का पुनः आयोजन शुरू किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्राम टिमरलगा के माध्यमिक स्कूल का हाईस्कूल में उन्नयन, मां नाथल दाई को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने सौंदर्यीकरण, ग्राम टिमरलगा के उपस्वास्थ्य केंद्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन की घोषणा की।

इस अवसर पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया,केरा बाई मनहर, शमशेर सिंह, पुष्पा देवी सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वीर साहिबजादों की शहादत पूरे समाज के लिए है प्रेरणादायी - राज्यपाल डेका

अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए वीर बालकों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय वीर बाल दिवस के अवसर पर रायपुर के पंडरी स्थित गुरुद्वारा पहुँचे और दशम गुरु गोविन्द सिंह जी के वीर सपूतों बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फ तेह सिंह की शहादत का स्मरण करते हुए उनका नमन किया।

राज्यपाल रमेन डेका ने वीर बाल दिवस के अवसर पर कहा कि गुरु गोविन्द सिंह के कम आयु के वीर बालको का धर्म रक्षा के लिए बलिदान देना अतुलनीय कार्य है, ऐसा उदाहरण बहुत कम ही मिलता है। इनकी शहादत आने वाली पीढ़ीयों को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी। श्री डेका ने कहा कि सिक्ख समाज मेहनती और देश की रक्षा के लिए सदैव आगे रहने वाला समाज है। गुरुद्वारों में लंगर और गुप्त दान की परंपरा बहुत ही सराहनीय है । उन्होंने वैश्विक महामारी कोरोना काल के विकट समय को याद करते हुए कहा कि देश के विभिन्न गुरुद्वारों में आम लोगों की सेवा में सिक्ख समाज ने तत्पर रहकर अत्यंत सराहनीय योगदान दिया था।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वीर बाल दिवस के अवसर पर वीर बालकों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की वीरगाथा का स्मरण करते हुए उनके द्वारा अपने धर्म और संस्कृति के लिए दिए गए बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस से आने वाली पीढ़ीयों को सदैव प्रेरणा मिलती रहे, इसके लिए छत्तीसगढ़ में इन वीर बालकों की वीरगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है । इस अवसर पर गुरुद्वारा समिति के पदाधिकारियों ने आत्मीय स्वागत करते हुए वीर बालको की वीरगाथा को छत्तीसगढ़ के पाठ्यक्रम मे शामिल करने के लिए आभार जताया। कार्यक्रम मे विधायक किरण सिंह देव तथा गुरुद्वारा समिति के पदाधिकारी भूपेंद्र सवन्नी ने भी सम्बोधित करते हुए वीर साहिबजादो की वीरगाथा का स्मरण किया द्य वीर बाल दिवस के कार्यक्रम में सिक्ख समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950